RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 320 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 20-06-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

# दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 अयोध्या को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है : योगी आदित्यनाथ

6 जीवन को सहज, सरल बनाता है योग

7 'पर्सनल ट्रेनर 2' में नया अवतार दिखाएंगी टीना दत्ता

## फर्स्ट टेक

### आरबीआई ने किसान क्रेडिट कार्ड के मानदंडों में संशोधन किया

**मुंबई/भाषा।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के मानदंडों में संशोधन किया है। इसके तहत ऋण मंजूर करने एवं चुकाने के कार्यक्रमों में एकरूपता लाने के मकसद से फसल सीजन की परिभाषा को एक जैसा किया गया है। आरबीआई (वाणिज्यिक बैंककेसीसी योजना) निर्देश 2026 अगले वर्ष जनवरी से लागू होंगे। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ये निर्देश केसीसी योजना के तहत बैंक प्रणाली से पर्याप्त और समय पर ऋण सहायता की रूपरेखा तैयार करने के लिए जारी किए जा रहे हैं। इसका मकसद खेती और उससे जुड़े कामों में लगे कर्जदारों की कार्यशील पूंजी और निवेश ऋण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना है।

### भारत-पाक सीमा के पास हथियारों का जखीरा बरामद

**चंडीगढ़/भाषा।** सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी), अमृतसर के साथ संयुक्त अभियान चलाकर भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट अमृतसर से एक एके-47 राइफल, 25 पिस्तौल और 368 कारतूस बरामद किए हैं। इस मामले में एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि शुरुआती जांच से पता चला है कि आरोपी ऑस्ट्रेलिया में मौजूद अपने एक सहयोगी के कहने पर काम कर रहा था, जिसने कथित तौर पर सोशल मीडिया ऐप्स के जरिए हथियार पहुंचाने की जगह की जानकारी दी थी।

### शंघाई फिल्म महोत्सव में 'उमराव जान' सहित सात भारतीय फिल्में दिखाई गईं

**बीजिंग/भाषा।** इस साल शंघाई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एसआईएफएफ) में अलग-अलग श्रेणी में रिकॉर्ड सात भारतीय फिल्में दिखाई गईं। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने बताया कि एसआईएफएफ-2026 में जिन भारतीय फिल्मों को प्रदर्शित किया गया, उनमें 'हंटर्स मून', 'इन व्हिच ऐनी गिव्स इट दोज वन्स', 'उमराव जान', 'चंदू चैंपियन', 'कालीदास-2', 'सॉन्ग्स ऑफ फॉरगॉटेन ट्रीज' और 'फुल प्लेट' शामिल हैं। माथुर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एसआईएफएफ-2026 में अलग-अलग श्रेणी में भारत की सात फिल्मों को दिखाया जाना बहुत खुशी की बात है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने लिखा, खास तौर पर 'हंटर्स मून' को शुभकामनाएं, जो 'गोल्डन गोब्लेट' अवॉर्ड की दौड़ में शामिल है।

## हम रोजगार सृजन को बढ़ावा दे रहे हैं, युवाओं को सशक्त बना रहे हैं : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ जब सरकार, युवा और उद्योग साथ मिलकर काम करते हैं तो रोजगार सृजन कई गुना बढ़ता है।

**नई दिल्ली/भाषा।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहली बार नौकरी पाने वाले 15 लाख कर्मचारियों एवं उनके नियोक्ताओं को 2,400 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि जारी करते हुए शुक्रवार को कहा कि 'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' (पीएम-वीबीआरवाई) के तहत देशभर में 70 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। सरकार की तरफ से यह राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए सीधे लाभार्थियों के खातों में भेजी जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने राशि अंतरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब सरकार, युवा और उद्योग साथ मिलकर काम करते हैं तो रोजगार सृजन कई गुना बढ़ता है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत न केवल 70 लाख रोजगार सृजित हुए हैं, बल्कि लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा कवरेज भी दिया गया है। सरकार नए रोजगार पैदा करने वाले संस्थानों एवं नियोक्ताओं को प्रोत्साहित करती है। पीएम-वीबीआरवाई पहली बार नौकरी पाने वाले युवाओं के लिए उद्योग और कार्यबल के बीच एक 'पुल' का काम करती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, इस योजना के जरिए हम रोजगार सृजन को बढ़ावा दे रहे हैं, युवाओं को सशक्त बना रहे हैं और भविष्य के लिए मजबूत कार्यबल तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं की आकांक्षाएं, कौशल और क्षमता ही विकसित भारत की दिशा तय करती हैं। आने वाले वर्षों में भारत के युवा वैश्विक विकास, नवाचार और उद्यमिता को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

'प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना' के लिए सरकार ने 99,446 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है और दो वर्षों में 3.5 करोड़ रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा है।

इस योजना के तहत पहली बार नौकरी पाने वाले कर्मचारियों को 15,000 रुपए तक की सहायता दी जाती है, जबकि उनके नियोक्ताओं को प्रति नए कर्मचारी पर प्रति माह 3,000 रुपए तक का प्रोत्साहन मिलता है।

विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने के लिए संचालित इस योजना के तहत मिलने वाले लाभ की अवधि को चार वर्ष तक बढ़ा दिया गया है।

## 2047 से बहुत पहले ही जड़ से मिट जाएगा सिकल सेल रोग : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**ओंकारेश्वर (मध्यप्रदेश)/भाषा।** खासकर आदिवासी समुदायों में सिकल सेल रोग के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और इसके उन्मूलन के लिए मिले-जुले प्रयासों की जरूरत पर जोर देते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि आनुवंशिक रक्त विकार से जुड़ी यह बीमारी वर्ष 2047 के लक्ष्य से बहुत पहले ही देश में जड़ से मिटा दी जाएगी। सिकल सेल रोग एक आनुवंशिक रक्त विकार है जिसमें लाल रक्त कणिकाएं सामान्य गोल आकार के बजाय हंसिए (सिकल) जैसी हो जाती हैं। इससे मरीज के शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह प्रभावित होता है और उसे दर्द, एनीमिया, संक्रमण तथा अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

मुर्मू, खंडवा जिले की तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में विश्व सिकल सेल दिवस पर राज्यस्तरीय कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। इस मौके पर राज्यपाल मंगू भाई पटेल और मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे। उन्होंने कहा, ''मुझे विश्वास है कि सभी प्रदेशों की सामूहिक शक्ति और सक्रियता के बूते हम 2047 से बहुत पहले ही देश से सिकल सेल रोग के उन्मूलन के अपने राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने में अवश्य सफल होंगे।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक जुलाई 2023 से मध्यप्रदेश के शहडोल जिले से राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन की शुरुआत की थी। इस अभियान का मुख्य लक्ष्य देश से 2047 तक इस आनुवंशिक बीमारी को पूरी तरह समाप्त करना है। मुर्मू ने कहा कि अलग-अलग वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चला है कि देश के जनजातीय समुदायों में सिकल सेल एनिमिया का प्रसार सामान्य आबादी की तुलना में कई गुना अधिक है।

राष्ट्रपति ने कहा, ''मैं इस मंच से सभी राज्यों के अधिकारियों और सरकारों से अनुरोध करना चाहती हूं कि इस रोग को सहजता से नहीं लिया जाना चाहिए क्योंकि यह पीढ़ी-दर-पीढ़ी फैलता है। इसे जड़ से मिटाने की दिशा में प्रयास किए जाने चाहिए और इसका इलाज संभव है। यह रोग खत्म हो सकता है। ऐसा दावा सामने आया है। उन्होंने कहा कि सिकल सेल रोग से जुड़ी चुनौतियों को केंद्र सरकार ने बेहद गंभीरता से लेते हुए समग्र दृष्टिकोण से प्रयास किए हैं और देश में पहली बार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय व केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त मॉडल के तहत अभियान शुरू किया गया है।

राष्ट्रपति ने बताया कि इस अभियान के तहत जनजातीय स्वास्थ्य, आनुवांशिकी विज्ञान, डिजिटल निगरानी और सामाजिक आचरण में बदलाव जैसे पहलुओं को एक साथ जोड़ा गया है। उन्होंने सिकल सेल रोग के उन्मूलन के लिए बड़े स्तर पर जागरूकता फैलाने और विवाह पूर्व 'जेनेटिक काउंसलिंग' कराने, व्यापक जांच के जरिये समय रहते बीमारी की पहचान करने और रोग प्रबंधन की समग्रता सुनिश्चित करते हुए स्वास्थ्य देखभाल की निरंतरता बनाए रखने की जरूरतों पर जोर दिया।

### शिवसेना (उबाठा) सांसदों की बगावत के बीच उद्धव ने कहा:

## पार्टी प्रमुख का पद छोड़ने को तैयार हूं : उद्धव ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

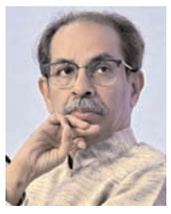

**मुंबई/भाषा।** शिवसेना (उबाठा) के छह लोकसभा सदस्यों की बगावत के बीच, उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को भावुक होते हुए कहा कि चुनौतियों और हमलों के बावजूद उनका संकल्प नहीं डगमगाया है, लेकिन अगर पार्टी को उन पर भरोसा और विश्वास नहीं है, तो वह इसके अध्यक्ष का पद छोड़ने को तैयार हैं।

चार साल में दूसरी बार अपनी पार्टी में आसन्न टूट पर, ठाकरे ने कहा कि वह एक दशक से अधिक समय से पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं और लगातार हो रहे हमलों को देखते हुए वह शिवसेना (उबाठा) के शीर्ष पद से हटने को तैयार हैं। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे मुंबई में शिवसेना के 60वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भावुक ठाकरे ने अपने समर्थकों से कहा, ''अगर पार्टी का ही कोई व्यक्ति अगला शिवसेना प्रमुख बनता है तो मुझे खुशी होगी, लेकिन मैं इसे चोरों के हाथों में नहीं जाने दूंगा।''

ठाकरे ने कहा कि वह डगमगाए नहीं हैं और सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए डटे हुए हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन मैं नहीं चाहता कि कोई भी शिवसैनिक मुझ पर उंगली उठाए कि मैंने मुख्यमंत्री पद से (2022 में) इस्तीफा दे दिया और (2026 में) विधान परिषद की सदस्यता जारी नहीं रखी।''

### नीट पुनःपरीक्षा:

## एनटीए ने परामर्श जारी किया, प्रवेशपत्र के बारे में अभ्यर्थियों को संदेश भेजे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को कहा कि वह 21 जून को होने वाली नीट-यूजी 2026 पुन:परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को प्रवेशपत्र डाउनलोड करने के संबंध में संदेश, ईमेल और व्हॉट्सएप संदेश भेज रही है, और साथ ही छात्रों को धोखाधड़ी वाले संदेशों व फर्जी सूचनाओं से सावधान कर रही है।

मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट-यूजी परीक्षा इस साल तीन मई को आयोजित की गई थी, लेकिन प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के कारण 12 मई को इसे रद्द कर दिया गया था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) वर्तमान में इस मामले की जांच कर रहा है।

एजेंसी ने 'एक्स' पर कहा, ''एनटीए रविवार यानी 21 जून 2026 को होने वाली पुन:परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों को अपने प्रवेशपत्र डाउनलोड करने के लिए एसएमएस और ईमेल भेज रहा है।''

एजेंसी ने सूचित किया कि वैध संदेश आधिकारिक आईडी और ईमेल से आएंगे।

परामर्श में कहा गया, ''एनटीए कभी भी किसी भुगतान की मांग नहीं करेगा, परीक्षा के पेपर, उत्तर कुंजियां, या 'लीक' सामग्री नहीं भेजेगा, या किसी लिंक के माध्यम से आपका एडमिट कार्ड साझा नहीं करेगा। यदि आपको ऐसा कोई संदेश मिलता है, तो उस पर क्लिक न करें। इसकी सूचना दें।''

इसके अतिरिक्त, एनटीए ने कहा कि वह अब पुन:परीक्षा के लिए कोई भी ताजा सूचना व केंद्र संबंधी जानकारी सीधे व्हॉट्सएप के माध्यम से अभ्यर्थियों को भेजेगा।

परामर्श में कहा गया कि उम्मीदवारों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे भेजने वाले के नाम के आगे 'ब्लू वेरीफाइड टिक' और 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' नाम देखें; बिना ब्लू टिक वाले अकाउंट से आने वाला कोई भी संदेश एनटीए की ओर से नहीं है, भले ही उसमें उनके नाम का उपयोग किया गया हो।

इसने कहा कि जिन अभ्यर्थियों ने 21 जून की पुन:परीक्षा के लिए अपने प्रवेशपत्र पहले ही डाउनलोड कर लिए हैं, उन्हें उन्हें दोबारा डाउनलोड करने की आवश्यकता नहीं है।

एजेंसी ने कहा, ''एसएमएस/ईमेल/व्हॉट्सएप संदेश मुख्य रूप से उन छात्रों के लिए हैं जिन्होंने अभी तक अपना नया एडमिट कार्ड डाउनलोड नहीं किया है।''

इसके अलावा, एनटीए ने कहा कि तीन मई की परीक्षा के लिए जारी किए गए प्रवेशपत्र अब वैध नहीं हैं, क्योंकि कई छात्रों को उनके पसंदीदा शहरों में नए परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए हैं।

एनटीए ने कहा, ''21 जून का प्रवेशपत्र एक बार डाउनलोड और प्रिंट करना ही काफी है।''

## 'चढ़ावे को चंदा कहना हिंदुओं की भावनाओं का अपमान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने शुक्रवार को कहा कि श्रद्धालुओं द्वारा मंदिरों में चढ़ाए गए धन को चंदा बताना हिंदुओं की भावनाओं का अपमान है। विहिप ने अयोध्या के राम मंदिर में दान राशि की चोरी के आरोप लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

विहिप ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शुक्रवार के एक बयान के बाद यह प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उन्होंने कहा कि अयोध्या को बदनाम करने और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कामकाज पर सवाल उठाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी सच्चाई सामने आएगी।

आदित्यनाथ अयोध्या में स्थित श्री मणिराम दास छावनी में मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के 88वें जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि पिछले कुछ दिन से बिना कोई सबूत दिए दान राशि की चोरी के निराधार और तथ्यहीन आरोप लगाने वाले लोगों को एसआईटी की ओर से नोटिस जारी किया जाना चाहिए।

बंसल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एसआईटी को ऐसे लोगों के खिलाफ हिंदू भावनाएं भड़काने और श्रीराम जन्मभूमि को बदनाम करने की कोशिश करने के लिए कड़ी कार्रवाई की सिफारिश भी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चंदा शब्द का हिंदू आस्था और परंपराओं में कोई स्थान नहीं है। बंसल ने आग्रह किया कि राम मंदिर में चढ़ाई गई दान राशि के कथित दुरुपयोग से संबंधित कोई भी तथ्य या सबूत रखने वाले लोग जांच में सहयोग के लिए तुरंत उन्हें एसआईटी को सौंपें। उन्होंने कहा, हिंदू समाज ऐसे सभी दुर्भावनापूर्ण और भड़काऊ बयानों पर करीबी नजर रख रहा है। वह किसी भी दोषी को नहीं छोड़ेगा।

20-06-2026 सूर्यास्त 6:48 बजे | 21-06-2026 सूर्योदय 5:54 बजे

| BSE | NSE |
|---|---|
| 76,802.90 | 24,013.10 |
| (-607.08) | (-154.90) |

| सोना | चांदी |
|---|---|
| 15,018 रु. | 240,672 रु. |
| (24 कैरेट) प्रति ग्राम | प्रति किलो |

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

### घायल लोकतंत्र

गरिमा हुई सिरे से गायब,
हुई सियासत जाति धर्म की।
कुछ बोल रहे संसद में,
फिक्र नहीं अब श्रेष्ठ कर्म की।
अमर्यादित बोल रहे वे,
लुटिया डूबी लाज शर्म की।
नेताओं को नहीं है चिंता,
घायल होते लोक मर्म की।।

## भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को 'भस्मासुर देश' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**संयुक्त राष्ट्र/भाषा।** भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की कड़ी आलोचना करते हुए उसे ''भस्मासुर देश'' करार दिया और कहा कि जब उसका ''अपना ही राक्षस उसे डसता है'' तो वह हैरान रह जाता है।

नई दिल्ली ने बुधवार को यह बात इस्लामाबाद पर आतंकवादियों को ''पनाह देने, प्रशिक्षण देने और उनका इस्तेमाल करने'' का आरोप लगाते हुए कही।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव अनुपमा सिंह ने कड़ी टिप्पणी तब की जब पाकिस्तान और इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त की वार्षिक रिपोर्ट पर हुई चर्चा के दौरान जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया।

सिंह ने कहा, ''पाकिस्तान और ओआईसी की ओर से दिए गए संदर्भ के जवाब में भारत को उत्तर देने के इस अधिकार का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। हम पाकिस्तान के निराधार और दुर्भावनापूर्ण आरोपों को पूरी तरह से खारिज करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम ओआईसी की ओर से जम्मू-कश्मीर के बारे में की गई बातों को भी पूरी तरह से खारिज करते हैं... साफ तौर पर कहें तो, जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। एकमात्र अनसुलझा मुद्दा भारतीय क्षेत्रों पर पाकिस्तान का अवैध कब्ज़ा और उनका वापस किया जाना है।''

सिंह ने यह भी कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा देश है जिसके मौजूदा रक्षा मंत्री ''सरकारी नीति के तौर पर आतंकवादियों को पनाह देने, उन्हें प्रशिक्षण देने और तैनात करने का दावा करते हैं''। उन्होंने कहा, ''इससे किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। किसी गैर-कानूनी और अवैध कब्जे को सिर्फ ताकत के दम पर ही बनाए रखा जा सकता है। यह वह देश है जिसके मौजूदा रक्षा मंत्री आतंकवादियों को पनाह देने, उन्हें प्रशिक्षण देने और तैनात करने की बात गर्व से कहते हैं तथा इसे अपनी सरकारी नीति बताते हैं, फिर भी पाकिस्तान खुद को आतंकवाद का शिकार बताता है।''

### पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री ने सिंधु जल संधि को लेकर यूएनएससी को पत्र लिखा

**इस्लामाबाद/भाषा।** पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) को पत्र लिखकर भारत की ओर से सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) के कथित उल्लंघन का संज्ञान लेने का आग्रह किया है। विश्व बैंक की मध्यस्थता में 1960 में हुई यह संधि अप्रैल 2025 में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद निलंबित कर दी गई थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। यह संधि 1960 से ही भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु और उसकी सहायक नदियों के पानी के बंटवारे एवं इस्तेमाल को नियंत्रित करती आ रही है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिकार अहमद ने बताया कि उन्होंने इस्लामाबाद की चिंताओं को रेखांकित करने के लिए यूएनएससी की अध्यक्ष लियोनोर जलाबाटा टोरेस को डार का लिखा पत्र सौंपा।

## रिलायंस इंटेलिजेंस देश में एआई को बनाएगी किफायती : आकाश अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

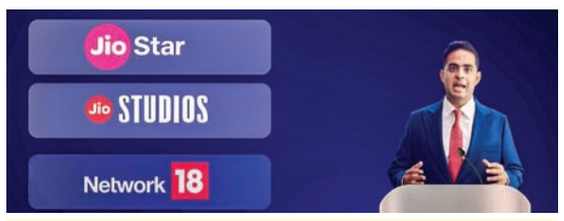


■ कंपनी भारत की जरूरतों के अनुरूप एआई विकसित कर रही है, भारत में ही इसका निर्माण कर रही है और ऐसा एआई तैयार कर रही है जो भविष्य में पूरी दुनिया के उपयोग में आ सके।

**नई दिल्ली/भाषा।** रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रबंध निदेशक आकाश अंबानी ने शुक्रवार को कहा कि जिस तरह जियो ने हर भारतीय के लिए इंटरनेट को काफी सस्ता और सुलभ बनाया, उसी तरह रिलायंस दशक के अंत तक कृत्रिम मेधा (एआई) की लागत में उल्लेखनीय कमी लाकर इसे प्रत्येक भारतीय के लिए सुलभ बनाएगी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की 49वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी भारत की जरूरतों के अनुरूप एआई विकसित कर रही है, भारत में ही इसका निर्माण कर रही है और ऐसा एआई तैयार कर रही है जो भविष्य में पूरी दुनिया के उपयोग में आ सके। उन्होंने बताया कि भारत में एआई के सामने सबसे बड़ी चुनौती कंप्यूटिंग क्षमता की कमी और उसकी ऊंची लागत है, जिसे दूर करने के लिए रिलायंस इंटेलिजेंस गुजरात के जामनगर में भारत की स्वदेशी एआई अवसंरचना विकसित कर रही है।

आकाश अंबानी ने कहा, जिस तरह जियो ने हर भारतीय के लिए डेटा को अत्यंत सस्ता और सुलभ बनाया, उसी तरह रिलायंस इंटेलिजेंस इस दशक के अंत तक एआई की अर्थव्यवस्था में बदलाव लाते हुए इसे हर भारतीय के लिए बेहद किफायती बनाएगी। उन्होंने कहा कि कंपनी का नया गहन प्रौद्योगिकी उपक्रम रिलायंस इंटेलिजेंस वर्ष 2026 के अंत तक गुजरात के जामनगर में 120 मेगावाट की एक प्रारंभिक कृत्रिम मेधा (एआई) अवसंरचना परियोजना शुरू करेगा। अंबानी ने कहा कि यह अत्याधुनिक अवसंरचना पूरी तरह स्वच्छ ऊर्जा पर आधारित होगी और इसे रिलायंस की कच्छ स्थित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजना से उत्पन्न सौर ऊर्जा से संचालित किया जाएगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि पहली 120 मेगावाट क्षमता वाली इकाई वर्ष 2026 के अंत तक चालू कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि उन्नत एनवीडिया जीबी300 ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू) के शुरुआती बेड़े को परिचालन में लाया जा रहा है।

## देश का विदेशी मुद्रा भंडार 9.98 अरब डॉलर घटकर 671.62 अरब डॉलर पर

**मुंबई/भाषा।** देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 जून को समाप्त सप्ताह में 9.98 अरब डॉलर घटकर 671.62 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 71.1 करोड़ डॉलर घटकर 681.61 अरब डॉलर रहा था।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 12 जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) 84.6 करोड़ डॉलर बढ़कर 544.29 अरब डॉलर हो गईं।

डॉलर के संदर्भ में विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं के मूल्य में उतार-चढ़ाव का प्रभाव भी शामिल होता है।

इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 10.75 अरब डॉलर घटकर 103.82 अरब डॉलर रह गया।

# नीट-यूजी के दोबारा आयोजन से पहले टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध लगाने का सरकार का फैसला बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली उच्च न्यायालय ने 21 जून को दोबारा आयोजित की जा रही राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) से पहले सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' तक पहुंच को अस्थायी रूप से प्रतिबंधित करने के केंद्र सरकार के फैसले को शुक्रवार को बरकरार रखा।

अदालत ने कहा कि यह कदम अनुचित नहीं है, क्योंकि 'टेलीग्राम' बड़ी मात्रा में कंटेंट के ऑटोमेटेड डिसेमिनेशन में मदद कर सकता है। ऑटोमेटेड डिसेमिनेशन एक सॉफ्टवेयर आधारित प्रक्रिया है, जिसके तहत कोई जानकारी, रिपोर्ट या अलर्ट बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के विशिष्ट उपयोगकर्ताओं तक पहुंचाए जाते हैं। उच्च न्यायालय ने 39 पन्नों के अपने आदेश में 21 जून को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) का निष्पक्ष एवं सुचारु आयोजन सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की ओर से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा-69ए के तहत लिए गए फैसले को कायम रखा। यह धारा केंद्र सरकार को राष्ट्रीय सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था और संप्रभुता की रक्षा के लिए किसी भी ऑनलाइन जानकारी, वेबसाइट या एप्लीकेशन तक सार्वजनिक पहुंच को अवरुद्ध करने का अधिकार देती है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल कॉलेज में दाखिले के लिए तीन मई को आयोजित नीट-यूजी को प्रश्नपत्र लीक के आरोपों के मद्देनजर 12 मई को रद्द कर दिया था। न्यायमूर्ति तेजस करिया की अवकाशकालीन पीठ ने दो सवालों पर विचार किया। पहला, क्या विवादित आदेश ठीक से सोच-समझे बिना जारी किया गया था। दूसरा, क्या 'टेलीग्राम' तक पहुंच को अस्थायी रूप से अवरुद्ध करना 'आनुपातिकता' के सिद्धांत के अनुरूप था।

पीठ ने दोनों सवालों का जवाब देते हुए कहा, प्रतिवादी संख्या-1 (केंद्र सरकार) की ओर से आदेशों के तहत अपनाए गए उपाय संबंधित उद्देश्य को हासिल करने के लिए लागू सबसे कम प्रतिबंधात्मक उपाय हैं। उसने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित मैसेजिंग ऐप की याचिका खारिज करते हुए कहा, इसलिए 'टेलीग्राम' तक लोगों की पहुंच अस्थायी रूप से बाधित करने के प्रतिवादी नंबर-1 के कदम को अनुचित नहीं माना जा सकता। पीठ ने आईटी अधिनियम की धारा-69ए का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार के पास किसी भी ऑनलाइन जानकारी तक लोगों की पहुंच को अवरुद्ध करने का अधिकार है। उसने कहा, आईटी अधिनियम की धारा-69ए केंद्र सरकार या इस काम के लिए उसकी तरफ से विशेष रूप से अधिकृत किसी अधिकारी को इस बात का यकीन होने की सूरत में किसी भी कंप्यूटर रिसोर्स में बनाई गई, भेजी गई, प्राप्त की गई या सहेजी गई सामग्री तक जनता की पहुंच अवरुद्ध करने के निर्देश जारी करने का अधिकार देती है कि भारत की संप्रभुता एवं अखंडता, रक्षा एवं सुरक्षा, दूसरे देशों के साथ दोस्ताना संबंध या सार्वजनिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले किसी भी

## पंजाब सरकार ने वैट, जीएसटी चूककर्ताओं की संपत्तियों की नीलामी शुरू की : हरपाल चीमा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने कर चूककर्ताओं के खिलाफ वसूली अभियान को तेज करते हुए मूल्य वर्धित कर (वैट) और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) नहीं चुकाने वालों की संपत्तियों की सार्वजनिक नीलामी शुरू कर दी है।

उन्होंने कहा कि राजस्व वसूली के लिए एक निर्णायक कदम के तहत आबकारी एवं कराधान विभाग ने तीन बड़ी संपत्तियों की नीलामी सफलतापूर्वक पूरी की है। इनमें उन व्यवसायों तथा लोगों से बड़ी राशि वसूली गई है जिन्होंने बार-बार मौका तथा कानूनी नोटिस मिलने के बावजूद कर दायित्वों का पालन नहीं किया। वित्त, आबकारी एवं कर मामलों के मंत्री ने आधिकारिक बयान में बताया कि पहली बड़ी संपत्ति पंजाब के मोहाली में 19 जून को नीलाम की गई। वहां एक कंपनी की संपत्ति 13.22 करोड़ रुपए में बिकी। दूसरी नीलामी जालंधर के शाहकोट में की गई, जहां संपत्ति 1.11 करोड़ रुपए में बेची गई। मोहाली और जालंधर में की गई ये शुरुआती नीलामी स्पष्ट रूप से दिखाती है कि राज्य सरकार कर अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए पूरी दृढ़ता से काम कर रही है। पंजाब सरकार ने व्यवसायियों को विवाद सुलझाने का एक और अवसर देने के लिए पहले एक बारगी निपटान (ओटीएस) योजना को 31 जुलाई 2026 तक बढ़ा दिया है।

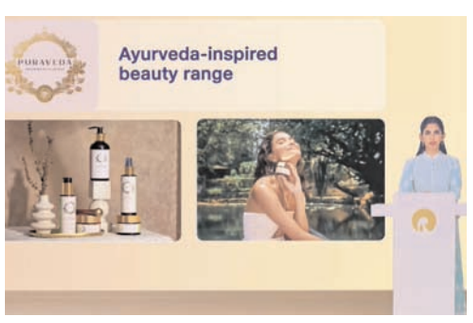


## रिलायंस रिटेल का 2030 तक एक लाख करोड़ रुपए का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य : ईशा अंबानी

**नई दिल्ली/भाषा।** रिलायंस रिटेल की निदेशक ईशा अंबानी ने शुक्रवार को कहा कि रोजमर्रा के सामान बेचने वाली इकाई रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने अगले चार वर्षों में एक लाख करोड़ रुपए का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य रखा है। आरआईएल की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आरसीपीएल भारत के इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाला एफएमसीजी मंच है, जिसने 22,000 करोड़ रुपए का सकल राजस्व हासिल किया है और सालाना आधार पर दोगुनी वृद्धि दर्ज की है।

ईशा अंबानी ने कहा, जो काम करने में हमारे प्रतिस्पर्धियों को दशक लग गए, उसे हमने महज चार साल में हासिल कर लिया। इसने हमें भारत के इतिहास में सबसे तेजी से बढ़ने वाले एफएमसीजी मंच में से एक और दुनिया में कहीं भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली उपभोक्ता उत्पाद कंपनियों में से एक बना दिया है। आरसीपीएल पेय पदार्थ, दैनिक आवश्यक वस्तुएं, पैकेज्ड खाद्य पदार्थ तथा घरेलू एवं व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों के क्षेत्र में एक व्यापक उपभोक्ता उत्पाद मंच विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 में आरआरवीएल से अलग होने के बाद आरसीपीएल अब रिलायंस इंडस्ट्रीज की प्रत्यक्ष अनुषंगी कंपनी बन गई है। ईशा अंबानी ने बताया कि कंपनी के उत्पाद अब निर्यात और फ्रेंचाइजी बिक्री के माध्यम से 40 से अधिक देशों में उपलब्ध हैं।

## आंध्र प्रदेश: प्रकाशम जिले में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

**केवी अग्रहारम (आंध्र प्रदेश)/भाषा।** आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में शुक्रवार को तीन नाबालिग समेत एक ही परिवार के चार लोग मृत पाए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बच्चे अपने घर में मृत पाए गए जबकि उनके पिता पास के एक पेड़ की शाखा से जुड़े फंदे से लटके पाए गए। पुलिस के अनुसार, परिवार के सदस्य बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े नौ बजे सोने गए थे। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार सुबह परिवार की ओर से कोई हलचल न होने पर बच्चों की दादी को शक हुआ और जब उन्होंने बच्चों को देखा, तो वे निष्क्रिय पड़े थे। पुलिस अधिकारी ने बताया, मौत के कारणों की जांच की जा रही है। अब तक कोई सुसाइड नोट या कोई अन्य चीज नहीं मिली है। बच्चों के पिता पास के एक पेड़ की शाखा के जरिये लगाए गए फंदे से लटके पाए गए। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि परिवार से जुड़े मामले इस घटना की वजह हो सकते हैं। जान गंवाने वाले व्यक्ति की पत्नी पिछले तीन साल से उससे अलग रह रही थी। पुलिस ने संपत्ति से जुड़े किसी भी विवाद की संभावना को खारिज कर दिया, क्योंकि परिवार के पास कोई संपत्ति नहीं थी। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में दो मामले दर्ज किए हैं। एक मामला भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 के तहत असामान्य मौत से जुड़ा है, जबकि दूसरा मामला फंदे से लटकने के कारण हुई मौत से संबंधित है।

## 'मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित करने की दिशा में कदम उठाया जाए'

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस ने फुटपाथ पर चलने के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित करने संबंधी उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए शुक्रवार को कहा कि अब मतदान के अधिकार को भी मौलिक अधिकार घोषित करने की दिशा में कदम उठाया जाना चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि भारतीय लोकतंत्र को मौजूदा संकट से बचाने के लिए मतदान के अधिकार को मौलिक अधिकार घोषित करना बहुत जरूरी है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''उच्चतम न्यायालय ने आज यह फैसला सुनाया है कि फुटपाथ पर चलने का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। यह स्वागतयोग्य निर्णय है। अब मतदान के अधिकार को भी मौलिक अधिकार घोषित करने की दिशा में कदम उठाया जाना चाहिए।''

उन्होंने कहा कि भारतीय लोकतंत्र को उसकी वर्तमान गिरावट और संकट से बचाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को व्यवस्था दी कि निर्धारित फुटपाथ पर पैदल चलने का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। शीर्ष अदालत ने कहा कि पैदल चलने के लिए तय किए गए रास्तों पर मोटर वाहनों के मुकाबले इस (पैदल चलने के) अधिकार को प्राथमिकता दी जाएगी और यह अनुच्छेद 19 (1) (डी) के तहत गारंटीकृत आने-जाने की स्वतंत्रता के अधिकार तथा अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार) समेत अन्य मौलिक अधिकारों का हिस्सा है।

## उनके पास सांसदों और विधायकों को खरीदने के लिए तो पैसे हैं, लेकिन छात्रों के लिए नहीं : दीपके

**छत्रपति संभाजीनगर/भाषा।** कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने शुक्रवार को महाराष्ट्र में शिवसेना (उबाठा) में हुई बगावत को लेकर राजनेताओं की आलोचना की और दावा किया कि उनके पास विधायकों को खरीदने के लिए तो पैसे हैं, लेकिन छात्रों के लिए नहीं। दीपके महाराष्ट्र के हिंगोली जिले में अपने गांव संतुक पिंपरी में पत्रकारों से बात कर रहे थे।

शिवसेना (उबाठा) के छह सांसदों की बगावत से जुड़े एक सवाल पर दीपके ने कहा, ''इन लोगों को शर्म आनी चाहिए। नीट की तैयारी कर रही एक लड़की ने आत्महत्या कर ली; वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के घर से सिर्फ़ 500 मीटर दूर रहती थी। लड़की के परिवार को किसी ने फोन तक नहीं किया या किसी तरह की मदद भी नहीं मिली। उसके पिता लकवाग्रस्त हैं।''

उन्होंने कहा, ''उनके (नेताओं) पास छात्रों के परिवारों को देने के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन वे विधायकों और सांसदों को खरीदने के लिए पैसे का इस्तेमाल कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि चुने हुए प्रतिनिधियों ने शिक्षा को एक कारोबार बना दिया है।

## मध्य प्रदेश संगठित जंगल अपराधों को रोकने के लिए कार्यबल बनाएगा: यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भोपाल/भाषा।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संगठित वन अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए राज्य 'टाइगर स्ट्राइक फोर्स' की तर्ज पर एक विशेष कार्यबल गठित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को वन विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह निर्णय लिया। उन्होंने आंध्र प्रदेश सरकार के अनुरोध पर वहां बाघ और गौर (भारतीय बाइसन) उपलब्ध कराने तथा बदले में जंगली कुत्ते अथवा अन्य वन्यजीव प्रजातियां प्राप्त करने के प्रयास करने के निर्देश भी दिए। एक सरकारी विज्ञप्ति में बताया गया कि मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सरकार ने सोन चिरैया (चिड़िया की एक प्रजाति) उपलब्ध कराने पर सहमति जताई है और इन्हें राज्य में लाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने वन्यजीव संरक्षण को और मजबूत बनाने के लिए वन मुख्यालय में 'कमान एंड कंट्रोल रूम' स्थापित करने तथा संगठित वन अपराधों पर रोक लगाने के लिए राज्य स्तरीय कार्यबल के गठन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी। उन्होंने खनिजों के परिवहन अनुमति शुल्क में वृद्धि के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को 'राज्य आपदा' घोषित करने के प्रयास किए जा रहे हैं तथा इससे प्रशासन, पुलिस, वन विभाग और आपदा मोचन बल ऐसे मामलों का अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधन कर सकेंगे।

## गुजरात सरकार ने शेरों के संरक्षण के लिए कदम उठाए, चुनौतियों से संवेदनशीलता से निपटी: केंद्रीय मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गांधीनगर/भाषा।** केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को कहा कि गुजरात सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए कदम उठाए हैं और उनकी सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों का समाधान संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ किया है। यादव की यह टिप्पणी मई में गुजरात के गिर वन क्षेत्र में एशियाई शेर के आठ शावकों की मौत की पृष्ठभूमि में आई है। गांधीनगर में 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' से इतर बोलते हुए यादव ने कहा कि वह शेरों के संरक्षण से जुड़े मुद्दों को लेकर गुजरात के वन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया के लगातार संपर्क में हैं।

यादव ने कहा, मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि गुजरात सरकार शेरों के संरक्षण के लिए अच्छा काम कर रही है और बीमारियों समेत सभी चुनौतियों से संवेदनशीलता के साथ निपटा जा रहा है। उन्होंने कहा, मैं (गुजरात के) वन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया के संपर्क में हूं, वह स्थिति की समीक्षा कर रहे हैं। मैंने हाल में गिर का दौरा भी किया। (शेर शावकों की मौत के) स्थानीय कारणों का भी पता लगाया जा रहा है और स्थिति पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। मई में गिर वन क्षेत्र में शेर के आठ शावकों की मौत हो गई थी। शुरू में माना जा रहा था कि इन सभी की मौत 'बेबेसिया' संक्रमण (टिक से फैलने वाला संक्रमण) की वजह से हुई है। लेकिन इस महीने की शुरुआत में मोढवाडिया ने बताया कि असल में इन शावकों की मौत गर्मी, कमजोरी और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता की वजह से हुई थी।

## राहुल के जन्मदिन पर युवा कांग्रेस का रोजगार मेला, 7000 युवाओं को मिले 'जॉब लेटर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** भारतीय युवा कांग्रेस ने शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन पर रोजगार मेले का आयोजन किया, जिसमें लगभग 7000 युवाओं को 'जॉब लेटर' (नौकरी की पेशकश का पत्र) मिले। युवा कांग्रेस की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, राजधानी के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित इस रोजगार मेले में टाटा अलायन्स, फ्लिपकार्ट, जेप्टो, वोल्टास, टेक महिंद्रा, पेटीएम, आदित्य बिरला, हिताची, अर्बन क्लैप जैसी 150 कंपनिया शामिल हुईं।

उसने कहा, ''इस दौरान रोजगार मेले में लगभग 30000 युवाओ ने ऑनलाइन और 9000 से ज्यादा युवाओं ने अपना मौके पर ही पंजीकरण करवाया, और लगभग 7000 युवाओं को हाथोंहाथ जॉब लेटर मिले। इसके साथ ही साथ कई युवाओं को कंपनियों द्वारा दूसरे चरण के लिए भी आमंत्रित किया गया है।''

युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि जहां एक तरफ़ देश के युवा भाजपा के पेपर लीक और बेरोज़गारी वाले मॉडल से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ़ राहुल गांधी के नेतृत्व में उनका संगठन 'नौकरी, न्याय और जवाबदेही' का मॉडल पेश कर रहा है।

उनका कहना था, ''आज युवाओं के लिए सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी है, भाजपा ने हर साल दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया था पर जमीन पर कुछ भी नहीं है। देश के युवाओं को आज रोजगार चाहिए और राहुल गांधी जी ही एक मात्र नेता है जो निरंतर इसके लिए संघर्ष कर रहे हैं।''

## राहुल के जन्मदिन पर थरूर ने कहा : अब पार्टी के पक्ष में माहौल बदलने का वक्त आ गया है

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शुक्रवार को राहुल गांधी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि अब पार्टी के पक्ष में माहौल बदलने का समय आ गया है और ऐसा होकर रहेगा। थरूर कांग्रेस कार्यालय '24, अकबर रोड' पहुंचकर राहुल गांधी से मिले और उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को उनके 56वें जन्मदिन पर पुष्पगुच्छ और एक पुस्तक भेंट की।

थरूर ने गांधी से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, ''मैं उन्हें हमारे देश में अधिक समावेशी लोकतंत्र के लिए संघर्ष का नेतृत्व करते रहने के लिए निरंतर संकल्प, धैर्य, दृढ़ निश्चय और शक्ति की शुभकामनाएं देने आया हूं। हमें एक मजबूत विपक्ष की जरूरत है और राहुल गांधी के नेतृत्व में हमें यह देखने को मिल रहा है, जिसकी आज आवश्यकता है।

## मौलिक अधिकार है फुटपाथ पर पैदल चलने का अधिकार : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को व्यवस्था दी कि निर्धारित फुटपाथ पर पैदल चलने का अधिकार एक मौलिक अधिकार है।

शीर्ष अदालत ने एक अहम फैसले में कहा कि पैदल चलने के लिए तय किए गए रास्तों पर मोटर वाहनों के मुकाबले इस (पैदल चलने के) अधिकार को प्राथमिकता दी जाएगी और यह अनुच्छेद 19 (1) (डी) के तहत गारंटीकृत आने-जाने की स्वतंत्रता के अधिकार तथा अनुच्छेद 21 (जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार) समेत अन्य मौलिक अधिकारों का हिस्सा है। न्यायालय ने पैदल चलने संबंधी मौलिक अधिकार के बेहतर क्रियान्वयन के लिए एक नियामक इकाई बनाने की पैरवी भी की। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदूरकर की पीठ ने कहा कि तय फुटपाथ पर पैदल चलने का नागरिक का मौलिक अधिकार सर्वोपरि है और इसे मोटर वाहनों की आवाजाही के मुकाबले प्राथमिकता दी जाएगी। न्यायालय की यह टिप्पणी मोटर दुर्घटना मुआवज़े के एक मामले में आई, जिसमें एक पिता ने अपने पाँच साल के बेटे को स्कूल ले जाते समय खो दिया था। पीठ ने कहा, ''पैदल चलने का अधिकार संविधान के भाग-3 के तहत एक मौलिक अधिकार है। यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 19(1) (डी) के तहत गारंटीकृत आने-जाने के अधिकार का एक अहम हिस्सा है, जिसे अनुच्छेद 19(1)(ए), अनुच्छेद 19(1)(बी), अनुच्छेद 19(1)(सी) और अनुच्छेद 21 के साथ पढ़ा जाना चाहिए। पैदल चलने के मौलिक अधिकार के अंतर्गत, निर्धारित फुटपाथ का अधिकार भी स्वतः ही शामिल होगा।'' इसने कहा कि निर्धारित फुटपाथ पर पैदल चलने के मौलिक अधिकार के साथ एक संबंधित ज़िम्मेदारी भी जुड़ी है और ''अगर सड़क है, तो यह सुनिश्चित करने का दायित्व बनता है कि पैदल चलने वालों के लिए चिह्नित और अच्छी तरह से बनाए गए फुटपाथ हों''। पीठ ने कहा कि इस कर्तव्य को निभाने की जिम्मेदारी शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगरपालिकाओं और यहाँ तक कि पंचायतों की है, जिनको फुटपाथ और अन्य आवश्यक पैदल यात्री बुनियादी ढांचे को चिह्नित करने, उनका निर्माण, रखरखाव करने और उन्हें सुरक्षित रखने का हरसंभव प्रयास करना चाहिए, क्योंकि पैदल चलना जीवन का एक अभिन्न अंग है। इसने कहा कि निर्धारित फुटपाथ पर चलने के अधिकार का उल्लंघन होने पर, नागरिक ज़िम्मेदार अधिकारियों के ख़िलाफ़ सुधार एवं मुआवज़े के लिए संवैधानिक और कानूनी उपाय अपना सकते हैं।

# साइबर अपराध के खिलाफ दिल्ली पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई, 7,000 से ज्यादा लोग हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** दिल्ली पुलिस ने फर्जी (म्यूल) बैंक खाते और फर्जी कॉल सेंटर के खिलाफ अब तक के सबसे बड़े साइबर अपराध रोधी अभियान के दौरान 7,000 से अधिक संदिग्धों को हिरासत में लिया और 916 लोगों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस के 'साइहॉक' अभियान का पांचवा चरण 16 से 18 जून के बीच 48 घंटे तक जारी रहा। यह कार्रवाई 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में की गई।

दिल्ली पुलिस ने इसे साइबर धोखाधड़ी के नेटवर्क के खिलाफ अब तक का सबसे व्यापक और समन्वित अभियान बताया। पुलिस के अनुसार, एक साथ की गई छापेमारी के दौरान 7,189 लोगों को हिरासत में लिया गया या पूछताछ के लिए पकड़ा गया, जबकि 691 अन्य लोगों को पाबंद किया गया। इसके अलावा 4,290 से अधिक लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान 481 नए मामले दर्ज किए गए जबकि 410 पुराने साइबर अपराध मामलों में भी कार्रवाई की गई। पुलिस ने बताया कि इन मामलों से जुड़ी शिकायतों में ठगी गई कुल राशि लगभग 700 करोड़ रुपए है, जो देशभर में साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते दायरे को दर्शाती है। इस अभियान में दिल्ली की सभी 15 जिला पुलिस इकाइयों के अलावा अपराध शाखा, रेलवे पुलिस, मेट्रो इकाई और 'इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशंस' (आईएफएसओ) इकाई ने भी हिस्सा लिया। छापे मारने वाले कुल 715 दलों में 2,374 पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया था। छापेमारी का मुख्य उद्देश्य साइबर अपराध के दो प्रमुख आधारों फर्जी बैंक खाता नेटवर्क और फर्जी 'एपीके' फाइल फैलाने वाले गिरोहों को ध्वस्त करना था। पुलिस के अनुसार, फर्जी खाते आज भी साइबर धोखाधड़ी की वित्तीय रीढ़ बने हुए हैं।

# एमएलसी चुनाव में जद(एस) विधायकों की क्रॉस-वोटिंग पर कुमारस्वामी : 'कोई हैरानी नहीं हुई'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। जनता दल (सेक्युलर) के नेता और केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में पार्टी उम्मीदवार की हार का कारण बनी 'क्रॉस-वोटिंग' से उन्हें न तो आश्चर्य हुआ और न ही कोई झटका लगा। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही उन विधायकों की जानकारी थी, जो पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर मतदान कर सकते हैं।

कुमारस्वामी ने कहा, ''मेरे पास पूरी जानकारी है कि किसने 'क्रॉस-वोटिंग' की। मुझे पहले से ही अंदेशा था कि कौन और कहां से 'क्रॉस-वोटिंग' होगी। इसलिए मुझे कोई आश्चर्य नहीं हुआ।'' उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई जब बृहस्पतिवार को हुए चुनाव में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने सात में से पांच सीटें जीत लीं, जबकि भाजपा को दो सीटें मिलीं और जद(एस) का खाता भी नहीं खुल सका। परिणामों में विपक्षी दल भाजपा और जद (एस) के विधायकों की क्रॉस-वोटिंग सामने आई, जिससे कांग्रेस को 151 वोट मिले, जो उसके अनुमानित 140 वोटों से 11 अधिक थे।

कुमारस्वामी ने कहा, ''मुझे पता था कि क्या होने वाला है। प्रतीकात्मक रूप से मैंने उम्मीदवार उतारा था ताकि यह परखा जा सके कि मेरी पार्टी के विधायक कैसे व्यवहार करते हैं।'' उन्होंने पूर्व

प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं पर उनका भरोसा अक्सर सख्त कार्रवाई में बाधा बनता रहा है। कुमारस्वामी ने कहा, ''उन्होंने पिछले 70 वर्षों में कई झटके झेले हैं, लेकिन आज भी वह सोचते हैं कि पार्टी को कुछ नहीं होना चाहिए। इसी भावनात्मक लगाव के कारण वह सभी को बचाने की कोशिश करते हैं।''

जब उनसे पूछा गया कि क्या देवेगौड़ा का यही भावनात्मक जुड़ाव उन पर भी असर डालता है, तो उन्होंने कहा कि 2006 में लिए गए एक स्वतंत्र राजनीतिक निर्णय के बाद उन्होंने अपनी अलग राजनीतिक पहचान बनाई। उन्होंने कहा, ''उस निर्णय के कारण आज लोग जानते हैं कि कुमारस्वामी कौन हैं। मेरे आचरण और कार्यशैली को लोगों ने समझा है, और यही मुझे आज संघर्ष की ताकत देता है।''

कुमारस्वामी ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में पार्टी और राज्य दोनों को बचाने के लिए अलग दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा, ''आज पार्टी को बचाने और उससे भी ज्यादा राज्य को बचाने के संदर्भ में मैं कोई समझौता नहीं कर सकता।'' उन्होंने पार्टी में युवा नेतृत्व को आगे लाने के संकेत देते हुए कहा, ''मैं तैयार हूं। मैंने तय किया है कि युवाओं और नए चेहरों को प्राथमिकता दी जाएगी।'' अनुशासनात्मक कार्रवाई के सवाल पर उन्होंने कहा कि विभिन्न स्तरों पर चर्चा हो सकती है, लेकिन अंतिम निर्णय उन्हीं का होगा। सूत्रों के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी में आठ जद(एस) और तीन भाजपा विधायकों के कांग्रेस के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग करने की बात सामने आई है। हालांकि जद(एस) सूत्रों का दावा है कि केवल चार विधायकों ने क्रॉस-वोटिंग की। चुनाव में जद(एस) उम्मीदवार गोविंदराजु को केवल 14 वोट मिले और वे चुनाव हार गए, जबकि कांग्रेस के सभी पांच और भाजपा के दो उम्मीदवार विजयी हुए।

# झीलों और नदियों को प्रदूषित करने वालों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए जाएंगे : कर्नाटक के मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री ईश्वर खंड्रे ने शुक्रवार को अधिकारियों को झीलों, नदियों और जलाशयों जैसे जल निकायों में जैव-चिकित्सा तथा इलेक्ट्रॉनिक कचरा डालकर प्रदूषण फैलाने वालों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने का निर्देश दिया। बेंगलूरु ग्रामीण जिले के नेलमंगला तालुक स्थित यंतगनहल्ली ग्राम पंचायत के औचक दौरे के दौरान स्थानीय लोगों ने शिकायत की कि गांव की झील में चिकित्सा अपशिष्ट डाला जा रहा है।

शिकायत पर संज्ञान लेते हुए ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री ने तालुक कार्यपालक अधिकारियों को जांच कराने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का निर्देश दिया। जन शिकायतों की समीक्षा के दौरान खंड्रे ने अधिकारियों को ग्राम पंचायत संपत्ति कर अभिलेखों से संबंधित लंबित 11बी आवेदनों का 15 दिनों के भीतर निस्तारण करने का भी निर्देश दिया।

मंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, पंचायत अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण करने के बाद खंड्रे ने उन्हें समय पर कार्यालय पहुंचने, जनहितैषी रवैया अपनाने तथा बिना किसी उचित कारण के ग्रामीणों को बार-बार पंचायत कार्यालय के चक्कर न लगवाने का निर्देश दिया। ई-स्वाथु अभिलेख जारी करने में देरी की शिकायतों पर प्रतिक्रिया देते हुए खंड्रे ने कहा कि यदि कोई तकनीकी समस्या है तो उसे उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन मामलों में दस्तावेज सही पाए जाएं, उनमें निर्धारित समयसीमा के भीतर ई-स्वाथु प्रमाणपत्र जारी किए जाएं। बाद में मंत्री ने हंचीपुरा के शुद्ध पेयजल संयंत्र का दौरा किया और पानी की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को जल शोधन झिल्लियों (मेम्ब्रेन) को नियमित रूप से बदलने और समय-समय पर पानी की गुणवत्ता की जांच कराने का निर्देश दिया, ताकि पेयजल का ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। खंड्रे ने एक आंगनवाड़ी केंद्र का भी दौरा किया और बच्चों को परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता का निरीक्षण किया। उन्होंने पंचायत विकास अधिकारियों और तालुक कार्यपालक अधिकारियों को आंगनवाड़ी केंद्रों का नियमित निरीक्षण करने तथा वहां पानी की उपलब्धता और शौचालयों की साफ-सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

# कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में मिली हार से भाजपा कमजोर नहीं हुई है : विजयेंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने शुक्रवार को उन बातों को खारिज किया जिनमें कहा गया था कि विधान परिषद चुनाव के नतीजे और क्रॉस-वोटिंग के आरोपों से भाजपा कमज़ोर हुई है। विजयेंद्र ने कहा कि पार्टी इस हार को गंभीरता से लेगी और कांग्रेस सरकार को चुनौती देना जारी रखेगी। विधान परिषद चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन पर उठ रहे सवालों और पार्टी के अंदर मतभेदों की अटकलों के बीच बेंगलूरु में पत्रकारों से बातचीत में विजयेंद्र ने कहा कि पार्टी के पास इस स्थिति से उबरने के लिए ज़रूरी संगठनात्मक ताकत है।

विधान परिषद चुनाव में भाजपा के कुछ विधायकों के क्रॉस-वोटिंग करने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''हमारे पास इस स्थिति का सामना करने की पूरी क्षमता है। डरकर मैदान छोड़ देने या भाग खड़े होने का तो सवाल ही नहीं उठता।

भाजपा के पास अपने संगठन का मजबूत आधार है और हमारे कार्यकर्ताओं की शक्ति हमारे साथ है। एक चुनाव के कारण सब कुछ खत्म नहीं हो जाता।'' चुनाव नतीजों को भाजपा के लिए बड़ा झटका बताने संबंधी बातों पर प्रतिक्रिया देते हुए विजयेंद्र ने कहा कि पार्टी इस घटनाक्रम को गंभीरता से ले रही है, लेकिन उन्होंने इस बात को खारिज किया कि इससे पार्टी के राजनीतिक संकल्प पर कोई असर पड़ेगा।

उन्होंने कहा, ''यह घटना नहीं होनी चाहिए थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है, भाजपा इसे गंभीरता से लेगी। डरकर भागने का तो कोई सवाल ही नहीं उठता। हम इस सरकार को झुकाने और रास्ते पर लाने का कोई न कोई तरीका ज़रूर निकालेंगे।''

# भाजपा ने विधान परिषद चुनावों के दौरान 'क्रॉस-वोटिंग' की जांच के लिए समिति का गठन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विधान परिषद चुनाव में पार्टी के विधायकों के सत्तारूढ़ कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में 'क्रॉस-वोटिंग' की जांच के लिए शुक्रवार को तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। बृहस्पतिवार को विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनावों में कांग्रेस के पांच उम्मीदवारों थिपन्नप्पा कामकनूर, पी वी मोहन, बी के हरिप्रसाद (पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष), शिवन्ना बी एस और विनय कार्तिक प्रकाश विजयी हुए। भाजपा के दो उम्मीदवार लिंगराज पाटिल और रघु आर भी चुनाव जीत गए। जनता दल (एस) के उम्मीदवार गोविंदराजू को हार का सामना करना पड़ा। सूत्रों के मुताबिक विपक्ष के कुछ विधायकों ने कार्तिक प्रकाश के पक्ष में 'क्रॉस-वोटिंग' की। पार्टी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह बात सामने आई है कि विधान परिषद चुनाव में 'क्रॉस वोटिंग' हुई थी। पार्टी द्वारा गठित समिति में विधान परिषद सदस्य सी टी रवि, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एन महेश और विधायक महेश टेंगिनकायी शामिल हैं। पार्टी उम्मीदवार के बजाय कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में 'क्रॉस वोटिंग' करने वालों को लेकर अटकलों के बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने कहा कि कुछ भाजपा विधायकों को पार्टी से गद्दारी करने वाला बताकर उनकी छवि खराब करने के लिए कांग्रेस अफवाहें फैला रही है।

शिकारीपुरा से विधायक विजयेंद्र ने कहा, ''कभी बसवराज, कभी चंद्रू लामाणी, तो कभी कृष्णा नायक का नाम उछाला जा रहा है। इस तरह अलग-अलग नाम सामने लाकर कांग्रेस के नेता शरारत करने और भाजपा के भीतर कलह पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''पार्टी तीन सदस्यीय समिति की घोषणा कर चुकी है। तीन-चार दिनों के भीतर पूरे मामले की सच्चाई सामने आ जाएगी।'' भाजपा सूत्रों के अनुसार, पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने 'क्रॉस वोटिंग' के मामले को गंभीरता से लिया है। इस संबंध में राज्य के नेताओं को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल के साथ 23 जून को तलब किया गया है। कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में कथित तौर पर 'क्रॉस वोटिंग' करने वाले विधायकों में शामिल भाजपा विधायक ब्यारती बसवराज ने कर्नाटक विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आर अशोक से उनके आवास पर मुलाकात की।

**समीक्षा बैठक**

शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की अध्यक्षता में विधान सौधा के कमिटी रूम में गारंटी स्कीमों को लागू करने पर एक प्रोग्रेस रिव्यू मीटिंग हुई। इसमें मंत्री केएच मुनियप्पा, केजे जॉर्ज, प्रियांक खरगे, मुख्यमंत्री के चीफ एडवाइजर सुनील कनागोल, सरकार की चीफ सेक्रेटरी डॉ. शालिनी रजनीश, मुख्यमंत्री के इकोनॉमिक एडवाइजर एलके अतीक, एडिशनल चीफ सेक्रेटरी गौरव गुप्ता, फाइनेंस डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी रितेश कुमार सिंह, गारंटी स्कीम इम्प्लीमेंटेशन अथॉरिटी के वाइस-चेयरमैन दिनेश गूलीगौड़ा, एसआर पाटिल, पुष्पा अमरनाथ, मेहरुस खान, बेंगलूरु डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट कृष्णप्पा और दूसरे लोग मौजूद थे।

# नितिन नवीन ने विजयेंद्र को तलब किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नईदिल्ली/बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने कर्नाटक विधान परिषद चुनाव में क्रॉस-वोटिंग को लेकर पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख विजयेंद्र येडीयुरप्पा और कुछ अन्य नेताओं को तलब किया है। पार्टी सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि नवीन ने चुनाव में क्रॉस-वोटिंग पर कड़ी आपत्ति जताई है और येडीयुरप्पा व अन्य नेताओं से 23 जून को यहां उनसे मुलाकात को कहा है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में नयी सरकार के कार्यभार संभालने के बाद हुए पहले चुनावी मुकाबले में, सत्ताधारी कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को विधान परिषद की सात सीट में से पांच पर जीत हासिल की जबकि विपक्षी दल भाजपा ने दो सीट जीतीं। सूत्रों ने बताया कि परिणामों में विपक्षी दल भाजपा और जद (एस) के विधायकों की क्रॉस-वोटिंग सामने आई, जिससे कांग्रेस को 151 वोट मिले, जो उसके अनुमानित 140 वोटों से 11 अधिक थे। सूत्रों के मुताबिक, शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि इस चुनाव में भाजपा के तीन और जद(एस) के आठ विधायकों ने कथित तौर पर क्रॉस-वोटिंग की और भाजपा के एक विधायक का वोट अमान्य घोषित कर दिया गया।

पार्टी के वरिष्ठ नेता आर. अशोक ने भाजपा विधायकों द्वारा क्रॉस-वोटिंग किए जाने की बात स्वीकार करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि जिन लोगों ने पार्टी के साथ विश्वासघात किया है, उनकी पहचान की जाएगी और उनके खिलाफ कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र ने कहा, ''किसने क्रॉस-वोटिंग की और क्यों? जानकारी मिलने के बाद पार्टी फैसला करेगी।''.

**दर्शन**

मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अपनी पत्नी उषा के साथ शुक्रवार सुबह तिरुपति के तिरुमाला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

# दिव्यांग यात्रियों के लिए रेलवे कंसेशन आइडेंटिटी कार्ड की ऑनलाइन सुविधा

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार रेलवे किराए में छूट पाने के पात्र दिव्यांग यात्री, फोटो आइडेंटिटी कार्ड बनवाने या उसे रिन्यू करवाने के लिए खास पोर्टल divyangjanid.indianrail.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इससे उन्हें रेलवे ऑफिस जाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। यह ऑनलाइन सुविधा इस प्रक्रिया को आसान, सुविधाजनक और कहीं से भी इस्तेमाल करने लायक बनाती है। आवेदक एक वैलिड मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करके पोर्टल पर रजिस्टर कर सकते हैं और ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। आवेदकों को तय डॉक्यूमेंट्स की सेल्फ-अटेस्टेड (खुद से प्रमाणित) कॉपी अपलोड करनी होंगी। आवेदन मंज़ूर होने के बाद, दिव्यांग फोटो आइडेंटिटी कार्ड को सीधे पोर्टल से डाउनलोड और प्रिंट किया जा सकता है। दक्षिण पश्चिम रेलवे, बेंगलूरु डिवीज़न सभी पात्र दिव्यांग यात्रियों को इस ऑनलाइन सुविधा का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

# डॉ. राम प्रसाद मनोहर ने पर्यटन आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार संभाला

बेंगलूरु। कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केपीटीसीएल) के मैनेजिंग डायरेक्टर के तौर पर काम कर रहे सीनियर आईएएस अधिकारी डॉ. राम प्रसाद मनोहर ने शुक्रवार को पर्यटन विभाग के आयुक्त का पदभार संभाला। सरकारी आदेश के अनुसार, वे केपीटीसीएल के मैनेजिंग डायरेक्टर के तौर पर अपनी मौजूदा जिम्मेदारियों के साथ-साथ पर्यटन आयुक्त का अतिरिक्त कार्यभार भी संभालेंगे। यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू होगा। पदभार संभालने के बाद, उन्होंने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

# दपरे के महाप्रबंधक ने केएस बेंगलूरु-सोमनायककनपट्टी सेक्शन का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पी. अनंत ने 18 जून को केएसआर बेंगलूरु-सोमनायककनपट्टी सेक्शन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, अनंत ने सेक्शन का 'विंडो ट्रेलिंग' निरीक्षण किया और सुरक्षा व संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। कुप्पम रेलवे स्टेशन पर, उन्होंने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत चल रहे रीडेवलपमेंट (पुनर्विकास) कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन परिसर, मौजूदा स्टेशन बिल्डिंग में आधुनिकीकरण के कार्यों, पार्किंग सुविधाओं और स्टाफ क्वार्टर का भी निरीक्षण किया। जनरल मैनेजर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बढ़ती गाड़ियों की संख्या को देखते हुए और भविष्य में यात्रियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पार्किंग क्षमता बढ़ाएं।

इसके बाद, उन्होंने बंगारपेट रेलवे स्टेशन का दौरा किया और दूसरे एंट्री टिकट काउंटर बिल्डिंग का निरीक्षण किया। उन्होंने 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत बनाए जा रहे वेटिंग हॉल और यात्रियों के लिए अन्य सुविधाओं की भी समीक्षा की। जनरल मैनेजर ने अधिकारियों को सलाह दी कि यात्रियों की सुविधा के लिए सही जगहों पर एस्केलेटर लगाए जाएं। उन्होंने स्टेशन परिसर और चल रहे विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। बाद में, श्री अनंत ने देवनगोंथी ऑयल साइडिंग का निरीक्षण किया और इसकी ऑपरेशनल क्षमता व माल ढुलाई (फ्रेट हैंडलिंग) से जुड़ी गतिविधियों की समीक्षा की।

महाप्रबंधक ने व्हाइटफील्ड स्थित सैटेलाइट गुड्स टर्मिनल का दौरा किया और गुड्स शेड व माल ढुलाई से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बेंगलूरु डिवीजन के एडिशनल डिविजनल रेलवे मैनेजर परीक्षित मोहनपुरिया, गति शक्ति यूनिट के चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर गुल अशफाक मोहम्मद और रेलवे के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

# ईडी ने सीमा पार से अवैध क्रिप्टो लेन-देन के लिए बेंगलूरु की पांच कंपनियों के खिलाफ जांच शुरू की

नई दिल्ली/बेंगलूरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने बेंगलूरु की पांच कंपनियों के खिलाफ फेमा के तहत जांच शुरू की है। इन कंपनियों पर आरबीआई की उचित मंजूरी के बिना क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल करके 2,500 करोड़ रुपये का सीमा पार लेन-देन करने का आरोप है। केंद्रीय एजेंसी ने 17 जून को कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में छह जगहों पर तलाशी ली।

# तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने मेकेदातु पर प्रस्ताव में विपक्ष के सुझाव को शामिल किया

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने शुक्रवार को मेकेदातु बांध मुद्दे पर विधानसभा में एक प्रस्ताव में विपक्षी दल द्रमुक के सुझाए गए एक महत्वपूर्ण संशोधन को स्वीकार कर लिया।

राजनीतिक एकता दिखाते हुए, विधानसभा में प्रस्ताव पेश करने वाले विजय ने विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन का यह सुझाव मान लिया कि मेकेदातु विवाद को सुलझाने के लिए एक अलग न्यायाधिकरण बनाया जाए।

# मेकेदातु परियोजना : क्या टीवीके से कांग्रेस पार्टी अपना समर्थन वापस लेगी? : आर अशोक

बेंगलूरु। तमिलनाडु में टीवीके पार्टी की सरकार ने मेकेदातु प्रोजेक्ट का विरोध करने का फैसला किया है। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने अब कांग्रेस पार्टी को चुनौती दी है कि वह टीवीके को दिया गया अपना समर्थन वापस ले ले। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा: कांग्रेस, जिसने द्रमुक की पीठ में छुरा घोंपा था, अब टीवीके के साथ मिल गई है। उसी टीवीके पार्टी ने अब फैसला किया है कि वह मेकेदातु प्रोजेक्ट को लागू नहीं होने देगी। अगर कांग्रेस में हिम्मत है, तो उसे टीवीके को दिया गया समर्थन वापस ले लेना चाहिए। वरना, मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार को यह स्वीकार करना चाहिए कि वे दोहरे मापदंड अपनाते हैं और दोहरी चाल चलते हैं। जब तक कांग्रेस सरकार सत्ता में है, मेकेदातु प्रोजेक्ट लागू नहीं हो सकता। उन्होंने आलोचना की कि कांग्रेस की पदयात्रा सिर्फ़ वोटों के लिए थी।

कांग्रेस सरकार राशन कार्ड रद्द कर रही है और गारंटी योजनाओं के तहत लाभार्थियों की संख्या कम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुफ़्त बिजली योजना में बड़े पैमाने पर फ़र्ज़ी रजिस्ट्रेशन भी हुए हैं। लगभग 20 लाख लाभार्थियों को हटाने की साज़िश रची गई है। उन्होंने कहा कि राज्य पर 1.20 लाख करोड़ का कर्ज़ है और वह इसका ब्याज भी नहीं चुका पा रहा है। कर्मचारियों को वेतन भी नहीं दिया जा रहा है। पिछले चार महीनों से पेंशन नहीं दी गई है। पेंशन न देने का मतलब है कि सरकार दिवालिया हो गई है।

अशोक ने कहा कि कम बारिश के कारण सूखा पड़ने वाला है। जल्द ही मवेशियों के लिए चारा नहीं बचेगा।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
4-7 तल, टावर-एफ, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर,
नौरोजी नगर, नई दिल्ली-110029
TRAI
सत्यमेव जयते

रिक्ति परिपत्र संख्या : C-01/2026-27
सूचना

विषय : भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद/कोलकत्ता/भोपाल/बेंगलूरु में परामर्शदाता (सेवानिवृत सरकारी कर्मचारी) को अनुबंध के आधार पर नियुक्त करने के लिए-ऑनलाईन आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि के विस्तार के संबंध में।

भादूविप्रा के रिक्ति परिपत्र संख्या C-01/2026-27 दिनांक 15 मई 2026 का संदर्भ लें, जिसके तहत भादूविप्रा क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद/कोलकत्ता/भोपाल/बेंगलूरु में अनुबंध के आधार पर एक-एक परामर्शदाता (सेवानिवृत सरकारी कर्मचारी (निजी सचिव) को नियुक्त करने हेतु ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए थे।

2. आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि अब 30 जून 2026 तक बढ़ा दी गई है।

3. अधिक विवरण भादूविप्रा की वेबसाइट www.trai.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।

CBC 06202/11/0021/2627

## पशुधन निरीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने शुक्रवार को नगर निगम के एक पशुधन निरीक्षक को कथित रूप से 5000 रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार जयपुर नगर निगम की पशु प्रबंधन शाखा के पशुधन निरीक्षक सुरेन्द्र कुमावत को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। ब्यूरो के बयान के अनुसार शिकायतकर्ता ने शिकायत की थी कि उसकी 'चिकन शॉप' के लिए लाईसेन्स जारी करने के बाद लाईसेन्स जारी करने के एवज में छह हजार रुपए रिश्वत मांगी जा रही है।

## दिल्ली पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ करके राजस्थान से चार लोगों को गिरफ्तार किया

नयी दिल्ली/जयपुर। दिल्ली पुलिस ने राजस्थान से संचालित एक कथित साइबर धोखाधड़ी और धनशोधन गिरोह का भंडाफोड़ करके चार लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि यह गिरोह कई बैंक खातों के जरिए अवैध रूप से हासिल हुए पैसे इधर-उधर भेजता और छिपाकर रखता था। ये गिरफ्तारियां एक साइबर धोखाधड़ी मामले में की गई हैं, जिसमें एक महिला के बैंक खाते से बिना अनुमति के दो लाख रुपये निकाले गए थे। पुलिस के अनुसार, मामला पिछले साल चार नवंबर को दर्ज किया गया था और धोखाधड़ी का पता उस समय चला जब अमेरिका में रहने वाले महिला के बेटे ने संदिग्ध लेन-देन का पता चलने के बाद भारत आकर शिकायत दर्ज कराई।

## राजस्थान में अनेक इलाकों में आंधी चलने, बारिश होने का अनुमान

जयपुर। मौसम विभाग ने एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के अनेक इलाकों में तेज आंधी चलने और मध्यम से तेज बारिश होने का अनुमान जताया है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार, एक और नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से शुक्रवार सुबह तक, बीते 24 घंटों में राज्य के कुछ भागों में बारिश दर्ज हुई। सर्वाधिक 85 मिलीमीटर बारिश गंगानगर के श्रीविजयनगर में हुई। इस विक्षोभ के प्रभाव से आगामी 48 घंटों में बीकानेर संभाग, शेखावाटी क्षेत्र, जयपुर, भरतपुर, अजमेर संभाग के कुछ भागों में 60-70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने व कहीं-कहीं मध्यम से तेज बारिश होने की पूरी संभावना है। इस दौरान जोधपुर, उदयपुर, कोटा संभाग में भी कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। मौसम केंद्र के अनुसार बीकानेर, जयपुर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में 21 से 24 जून को भी आंधी बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है।

# भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को 'स्मार्ट प्ले स्कूल' में अपग्रेड करना हमारा लक्ष्य : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी के मुख्य आतिथ्य में तथा महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार के विशिष्ट आतिथ्य में शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में स्मार्ट आंगनबाड़ी केंद्र अवसंरचना पहल हेतु सीएसआर भागीदारी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य मिशन सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत सीएसआर सहयोग जुटाना है। कार्यशाला में राजस्थान में आंगनबाड़ी केंद्र पर प्रदान की जा रही सेवाओं एवं आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत सुविधाओं में सुधार करने हेतु कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के फंड का उपयोग कर नवीन तकनीक युक्त डऋऊऋ (लाइट गेज स्टील फ्रेम) प्री-फैब्रिकेटेड स्ट्रक्चर्स तथा कंटेनर आंगनबाड़ी के संचालन की रूपरेखा पर चर्चा की गई। साथ ही जानकारी दी गई कि भारत सरकार द्वारा पंखुड़ी पोर्टल 8 जनवरी 2026 को लॉन्च किया गया है। यह एक एकीकृत डिजिटल मंच है, जो पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा हेतु पारदर्शी, गैर-नकद उऽठ योगदान सक्षम बनता है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत के विजन अनुसार गरीब और कमजोर परिवार के बच्चों का भी सशक्तिकरण किया जाना अत्यंत आवश्यक है।सशक्त मानव संसाधन से सशक्त राष्ट्र का निर्माण होगा, इस हेतु हमें आंगनबाड़ियों को आधुनिक बनाना होगा, जिसमें सीएसआर फण्ड की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्री-फैब्रिकेटेड स्ट्रक्चर्स तथा कंटेनर आंगनबाड़ी की नवीन तकनीक का उपयोग कर कुछ सप्ताह में ही आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कार्य किया जा सकता है, जिससे जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत संरचना में अल्प समय में ही आशा अनुरूप परिवर्तन किये जा सकते हैं। दिया कुमारी ने गुजरात में सीएसआर फण्ड के माध्यम से आंगबाड़ियों में हुए विकास कार्यों का उदाहरण देते हुए कहा कि इस तरह के प्रयोग राजस्थान में भी किये जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कॉर्पोरेट भागीदारों से शहरी एवं अर्ध-शहरी औद्योगिक क्षेत्रों में प्री-फैब्रिकेटेड आगंनबाड़ी भवनों के निर्माण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्मार्ट आंगनबाड़ी केंद्र स्वस्थ सशक्त राजस्थान की नींव हैं, उऽठ सहयोग से जर्जर और किराये के भवनों में संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों को 'स्मार्ट प्ले स्कूल' में अपग्रेड करना हमारा लक्ष्य है। उप मुख्यमंत्री ने सीएसआर मद से आंगनबाड़ियों के विकास में योगदान देने के ङ्कलिए कॉरपोरेट हाउसेज का आह्वान करते हुए कहा कि आंगनबाड़ियों को प्ले स्कूल में बदलने में योगदान कर राष्ट्र निर्माण की मुहीम में सहभागी बन सकते हैं। राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। हमारे बच्चों की नींव मजबूत करके देश के उज्ज्वल भविष्य का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री का मानना है कि सीएसआर फंड का प्रयोग कर आंगनबाड़ियों को प्ले स्कूल में परिवर्तित कर गरीब बच्चों को भी बेहतर शाला पूर्व शिक्षा का वातावरण उपलब्ध करवाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पोषण वाटिकाओं का निर्माण और आंगनबाड़ी के बच्चों के लिए यूनिफॉर्म, फर्नीचर, खिलौने,शिक्षण सामग्री उपलब्ध करवाने तथा बच्चों के अनुकूल आंगनबाड़ियों में आधारभूत सुविधाएं विकसित करने में अपना योगदान देवें। निदेशक आईसीडीएस वासुदेव मालावत ने बताया कि राजस्थान में 63,000 आंगनबाड़ी केंद्रों में से 3,284 केंद्र जर्जर/क्षतिग्रस्त भवनों में और 11,488 केंद्र किराए या अस्थाई परिसरों में संचालित हैं।

## 'कृत्रिम जनादेश' तैयार करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत : पायलट

जयपुर। कांग्रेस महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए शुक्रवार कहा कि देश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सरकार चलाने के लिए बहुमत दिया है, न कि दो-तिहाई बहुमत । उन्होंने कहा, ऐसा

जनादेश, जो जनता ने नहीं दिया, उसे कृत्रिम रूप से तैयार करने का प्रयास लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। पायलट ने कहा कि पहले जो विधेयक गिर चुका था उसे एक 'कृत्रिम जनादेश' के माध्यम से दोबारा लाने की कोशिश राजनीतिक एजेंडा पूरा करने का प्रयास है जिसकी अनुमति देश की जनता ने कभी नहीं दी। उन्होंने कहा कि यदि राजनीतिक दलों को तोड़कर, सांसदों को पाला बदलवाकर कर और कृत्रिम जनादेश तैयार कर संवैधानिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने का प्रयास किया जाएगा तो देश की जनता इसे स्वीकार नहीं करेगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि परिसीमन की प्रक्रिया का एक निर्धारित संवैधानिक ढांचा है, पहले जनगणना होनी चाहिए, उसके बाद आयोग का गठन होना चाहिए और फिर परिसीमन की प्रक्रिया आगे बढ़नी चाहिए।

# हार्टफुलनेस और भवानी निकेतन शिक्षा समिति द्वारा मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार, 21 जून को आयुष मंत्रालय, भारत सरकार की सहभागिता में हार्टफुलनेस संस्था एवं भवानी निकेतन शिक्षा समिति द्वारा भवानी निकेतन कॉलेज ग्राउंड, सीकर रोड, जयपुर में एक विशाल योग एवं ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 6:00 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित होगा, जिसमें लगभग 2000 से अधिक लोगों के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य योग को केवल शारीरिक व्यायाम तक सीमित न रखकर उसे एक समग्र जीवन पद्धति के रूप में प्रस्तुत करना है, जिससे व्यक्ति के शरीर, मन और आत्मा में संतुलन स्थापित हो सके।

कार्यक्रम में प्रतिभागियों को प्राणायाम, योगासन, विभिन्न स्वास्थ्यवर्धक मुद्राओं, हार्टफुलनेस रिलेक्सेशन तथा निर्देशित ध्यान का अनुभव कराया जाएगा। साथ ही ध्यान की वैज्ञानिक एवं सरल पद्धति से भी अवगत कराया जाएगा, जिससे लोग तनावमुक्त और संतुलित जीवन की दिशा में प्रेरित हो सकें। इस अवसर पर ब्राइटर माइंड्स तकनीक का भी विशेष परिचय कराया जाएगा। इसके माध्यम से बच्चों और युवाओं की मानसिक क्षमताओं, एकाग्रता, स्मरण शक्ति तथा अंतर्निहित संभावनाओं को विकसित करने के अभिनव तरीकों की जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में ब्राइटर माइंड्स के प्रशिक्षित छात्र आंखों पर पट्टी बांधकर केवल स्पर्श और अनुभूति के आधार पर वस्तुओं की पहचान करना, कार्ड पढ़ना तथा अन्य रोचक और आश्चर्यजनक प्रदर्शन प्रस्तुत करेंगे। हार्टफुलनेस संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि योग और ध्यान का समन्वय व्यक्ति के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक संतुलन को भी सुदृढ़ बनाता है।

इसी उद्देश्य से समाज के सभी वर्गों को इस विशेष आयोजन में परिवार सहित भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। आयोजकों ने अधिकाधिक नागरिकों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर योग, ध्यान एवं सकारात्मक जीवनशैली के इस महाअभियान का हिस्सा बनने का आह्वान किया है।

## परिवीक्षाकाल के दौरान राज्य कर्मचारियों को मिलेगा राज्य बीमा कवर

जयपुर। राज्य सरकार के निर्देशानुसार निदेशालय, राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग, राजस्थान, जयपुर द्वारा परिवीक्षाकालीन राज्य कर्मचारियों को भी राज्य बीमा का कवर उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। राजस्थान सरकारी कर्मचारी बीमा नियम, 1998 के नियम 8 के उपनियम 2 के तहत अब परिवीक्षाकालीन कर्मचारियों को उनकी नियुक्ति के बाद आने वाले प्रथम मार्च माह से राज्य बीमा योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य राज्य कर्मचारियों को सेवा के प्रारंभिक चरण से ही सामाजिक सुरक्षा एवं बीमा संरक्षण उपलब्ध कराना है। विभाग द्वारा जारी प्रावधानों के अनुसार परिवीक्षाकालीन कर्मचारियों के पारिश्रमिक से राज्य बीमा प्रीमियम के रूप में प्रतिमाह 800 रुपये (फिक्स्ड) की कटौती की जाएगी। यह व्यवस्था 1 अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगी। राज्य बीमा प्रीमियम की कटौती माह मार्च देय अप्रैल, 2026 के वेतन बिल, एरियर पोर्टल 310 पर उपलब्ध डिजिटल सुविधा के माध्यम से की जा सकेगी।

# योग से स्वस्थ शरीर, संतुलित मन और सकारात्मक जीवन दृष्टि का निर्माण होता है : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में राजस्थान विधानसभा परिसर स्थित कर्तव्य द्वार पर शुक्रवार प्रातः 6 बजे सामूहिक योग कार्यक्रम योगोत्सव का आयोजन किया गया। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में विधायकगण, विधानसभा सचिवालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाली भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। योग स्वस्थ शरीर, संतुलित मन एवं सकारात्मक जीवन दृष्टि प्रदान करता है। शारीरिक समन्वय, मानसिक एकाग्रता और आत्मविश्वास को बढ़ाता है। देवनानी ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग तनावमुक्त जीवन, रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि तथा स्वस्थ समाज के निर्माण का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी नागरिकों से योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का आह्वान किया।

सामूहिक योगाभ्यास की शुरुआत देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। कार्यक्रम में विधायक गोपाल शर्मा, गोपीचन्द मीणा, हरि सिंह रावत, शंकर सिंह रावत, ताराचन्द जैन, श्रीमती गीता बरवड और श्रीमती शोभा रानी कुशवाहा मौजूद थे। वैदिक मंगलाचरण एवं प्रार्थना के साथ सूक्ष्म व्यायाम जैसी शिथिलीकरण क्रियाएं कराई गई। योगाचार्य सत्यपाल सिंह और योगाचार्य मेघसिंह ने सामान्य योग प्रोटोकाल के अनुरूप योगासन, प्राणायम, ध्यान और शांतिपाठ कराया। ताड़ासन, वृक्षासन, अर्धचक्रासन, पादहस्तासन एवं त्रिकोणासन का अभ्यास खडे होकर कराया गया। भद्रासन, वज्रासन, उष्ट्रासन, शशकासन, उत्तानमंडूकासन, वक्रासन और अर्ध-उष्ट्रासन का अभ्यास बैठकर कराया गया। उदर के बल लेट कर मकरासन, भुजंगासन, शलभासन, वहीं पीठ के बल लेट कर किए जाने वाले आसनों में सेतुबंधासन, उत्तानपादासन, अर्ध-हलासन, पवनमुक्तासन एवं शवासन का अभ्यास कराया गया। योगाभ्यास के दौरान प्रतिभागियों ने प्राणायाम एवं ध्यान की विभिन्न विधियों का भी अभ्यास किया, जिससे शारीरिक स्फूर्ति, मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन का अनुभव प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम का समापन देवनानी ने सामूहिक संकल्प के साथ किया। देवनानी ने विश्व कल्याण, मानव एकता और स्वस्थ जीवन की कामना के साथ योग 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को सशक्त बनाते हुए सम्पूर्ण मानवता को स्वस्थ, सद्भाव और संतुलित जीवन को दिशा प्रदान करने का संकल्प कराया। योग कार्यक्रम में प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के।के। शर्मा सहित विधानसभा सचिवालय के अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

# विपक्ष के नेताओं को सीबीआई, ईडी द्वारा डरा-धमकाकर पार्टियां तोड़ रही है भाजपा : टीकाराम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली ने शिवसेना (यूबीटी) में हुई टूट और देश की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्षी दलों को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि जब जनता किसी राजनीतिक दल को वोट देती है तो उस दल के जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी होती है कि वे जनता की भावनाओं के अनुरूप कार्य करें। लेकिन भाजपा के सत्ता में आने के बाद लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। विपक्षी दलों के नेताओं को डराया, धमकाया और प्रलोभन देकर उनकी पार्टियां तुड़वाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले यदि कोई जनप्रतिनिधि दल बदलता था तो वह इस्तीफा देकर दोबारा चुनाव लड़ता था, लेकिन अब नया राजनीतिक चलन शुरू हो गया है, जिसमें दो-तिहाई से अधिक विधायकों या सांसदों को साथ लेकर सीधे दूसरी पार्टी में शामिल करा दिया जाता है। इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा होता जा रहा है। भाजपा द्वारा देश में लोकतंत्र को योजनाबद्ध तरीके से कमजोर किया जा रहा है और जनता के जनादेश का सम्मान नहीं किया जा रहा। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि भाजपा जिस प्रकार की राजनीति कर रही है, उससे देश नहीं चल सकता। भाजपा विपक्ष को समाप्त करने की सोच के साथ काम कर रही है, लेकिन इसके विपरीत विपक्ष और अधिक मजबूत हो रहा है। देश की जनता भाजपा सरकार के कामकाज को देख रही है और सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर रही है।

## प्रसूताओं की मौत के मामले में दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो: अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में प्रसूताओं की मौत और उनके गंभीर रूप से बीमार होने के मामले पर चिंता जताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। गहलोत ने इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने पीड़ित परिवारों को न्याय देने की मांग भी की है। एक बयान के अनुसार, गहलोत ने कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल और बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में प्रसव के बाद प्रसूता माताओं की मृत्यु एवं कई महिलाओं की किडनी फेल होने की अत्यंत गंभीर व विचलित करने वाली घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

गहलोत ने इस अत्यंत संवेदनशील मामले को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को न्याय देने की मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री ने पत्र में स्पष्ट कहा है कि यह महज कोई सामान्य हादसा नहीं है, बल्कि सरकारी व्यवस्था की 'संस्थागत विफलता' है। उन्होंने मामले की जाँच रिपोर्ट को तुरंत सार्वजनिक करने, जिम्मेदार अधिकारियों व डॉक्टरों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज करने तथा पीड़ितों के आजीवन इलाज की सरकारी गारंटी देने सहित कई महत्वपूर्ण मांगें मुख्यमंत्री के समक्ष रखी हैं।

इसमें गहलोत ने कहा है कि वह कोटा में भर्ती प्रसूताओं एवं उनके परिजनों से मिले।

# रीनीट परीक्षा के निष्पक्ष एवं पारदर्शी संचालन के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें : भवानीसिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जोधपुर समेत राज्य के कई जिलों में 21 जून को रीनीट यूजी-2026 परीक्षा होगी। इसी दिन राज्यभर में 12वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम होगा। दोनों आयोजन का शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संचालन सुनिश्चित करने के लिए जोधपुर जिला प्रभारी सचिव भवानी सिंह देथा ने गुरुवार को जिला मुख्यालय पर अटल सेवा केंद्र में सम्बंधित अधिकारियों की बैठक ली, समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। प्रभारी सचिव ने बताया कि रीनीट यूजी-2026 परीक्षा जिले के 46 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होगी, जिसमें 15 हजार 407 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए

गए हैं। प्रभारी सचिव ने परीक्षा के निष्पक्ष, पारदर्शी एवं कदाचारमुक्त संचालन के लिए सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रश्न पत्रों एवं गोपनीय सामग्री के सुरक्षित भंडारण एवं परिवहन, अभ्यर्थियों के बायोमीट्रिक सत्यापन, दोहरे स्तर की फ्रिस्किंग, परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा व्यवस्था तथा सतत निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने जिला कलक्टर आलोक रंजन को जिला स्तरीय समन्वय समिति के माध्यम से नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। साथ ही परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, ड्यूटी मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति एवं उनके प्रशिक्षण, परीक्षा केन्द्रों के आसपास कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा नकल एवं संदिग्ध गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश दिए।

**योग**

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) से पहले शुक्रवार को राजस्थान के बीकानेर स्थित वृंदावन पार्क में पारंपरिक राजस्थानी पोशाक में योग का अभ्यास करतीं महिलाएं।

## पश्चिम बंगालः दार्जिलिंग में बालासन नदी पर बने अस्थायी पुल का हिस्सा ढहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**सिलिगुड़ी/भाषा।** पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में बालासन नदी पर बने एक अस्थायी पुल का हिस्सा भारी बारिश के कारण शुक्रवार को ढह जाने से सिलिगुड़ी और मिरिक तहसील के बीच वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अक्टूबर 2025 में दुधिया स्थित लोहे का पुल ढह जाने के बाद एक वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में यह अस्थायी पुल बनाया गया था। एक अधिकारी ने कहा, ''लगातार बारिश के कारण नदी का जलस्तर अचानक बढ़ जाने से दुधिया स्थित अस्थायी ह्यूम पाइप पुल का एक हिस्सा ढह गया।'' उन्होंने बताया कि वाहनों की आवाजाही फिलहाल पंखाबाड़ी और कर्सियांग मार्गों से वैकल्पिक रास्तों के जरिये हो रही है। दार्जिलिंग के सांसद राजू बिष्ट ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने क्षेत्र में बार-बार सामने आ रही इस तरह की समस्याओं के लिए ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकार को जिम्मेदार ठहराया। भाजपा सांसद ने संवाददाताओं से कहा, ''लोहे का पुल ढहने के बाद तत्कालीन तृणमूल कांग्रेस सरकार स्थायी पुल नहीं बना सकी। अस्थायी पुल भी ठीक से नहीं बनाया गया था और भारी बारिश के दौरान ऐसी समस्या पैदा होने की पूरी आशंका थी।'' उन्होंने कहा कि यदि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) या सेना की मदद से बेली पुल का निर्माण किया गया होता तो समस्या का एक दीर्घकालिक समाधान हो सकता था। बिष्ट ने कहा कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) स्थायी पुल परियोजना के लिए पहुंच मार्ग और उससे संबंधित बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि बांध के बिना केवल पुल का निर्माण इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकता।

# अयोध्या को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अयोध्या (उप्र)/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि अयोध्या को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की कार्यप्रणाली पर संदेह जताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) सच्चाई सामने लाएगा।

अयोध्या के श्री मणिराम दास छावनी में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की 88 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित एक समारोह में आदित्यनाथ ने राम मंदिर में दान राशि के दुरुपयोग के आरोपों की एसआईटी जांच के बीच यह टिप्पणी की। मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध के बाद 13 जून को उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की थी जो इन आरोपों की जांच कर रही है कि मंदिर के दान का पैसा गायब हो गया है। विवाद का जिक्र करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा, ''अयोध्या को बदनाम करने और श्री राम जन्मभूमि के बारे में सवाल उठाने के प्रयास किए जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब भी भारत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा है, साजिशकर्ताओं की नींद उड़ गई है और वे साजिश रचने लगे हैं। वही साजिश फिर से शुरू हो गई है।''

मुख्यमंत्री ने कहा,''जो लोग कभी अयोध्या नहीं आए, वे आज राम भक्ति के बारे में बात कर रहे हैं। जिन्होंने भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाया और राम भक्तों की आस्था का अपमान किया, वे अब राम भक्ति के बारे में बात कर रहे हैं।'' उन्होंने संतों और भक्तों से विवाद में न पड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''इन साजिशों में पड़ने की कोई जरूरत नहीं है। हम भगवान राम के भक्त हैं और हमें उनकी मर्यादा (आचरण और मूल्यों) को बनाए रखना चाहिए।

भगवान राम के जीवन का उदाहरण देते हुए, आदित्यनाथ ने कहा, ''मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने 14 साल का वनवास स्वीकार किया लेकिन कभी भी अपने पिता की आज्ञा का उल्लंघन नहीं किया। हमें भी अपने आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए और इस अवसर का उपयोग धर्म एवं राम राज्य की स्थापना के लिए करना चाहिए।''

जांच के दौरान धैर्य रखने का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा,''हमने 500 साल इंतजार किया। क्या हम 15 दिन इंतजार नहीं कर सकते? हमें किसी की साजिश में नहीं फंसना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''एसआईटी का गठन किया गया है और यह दूध का दूध एवं पानी का पानी अलग कर देगी। अगर किसी के पास सबूत है तो उन्हें इसे एसआईटी को सौंपना चाहिए और इसे सार्वजनिक नहीं करना चाहिए। जो भी आरोप लगाएगा उसे नोटिस मिलने पर सबूत देना होगा।''

## बोतल बाबा' एवं उसका सहयोगी बलात्कार के प्रयास, जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार

**कानपुर (उप्र)/भाषा।** उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात जिले में बोतल बाबा के नाम से मशहूर एक स्वयंभू बाबा और उसके सहयोगी को यौन उत्पीड़न, बलात्कार के प्रयास और जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

आरोपी हरिओम यादव देवराहट के चैन-पुरवा गांव में हरि धाम सरकार आश्रम चलाता है। उसने कथित तौर पर आध्यात्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से बीमारियों को ठीक करने और व्यक्तिगत समस्याओं को हल करने का दावा किया था। पुलिस अधीक्षक (एसपी-कानपुर देहात) श्रद्धा नरेंद्र पांडे ने बताया कि एक शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि हरिओम यादव उर्फ बोतल बाबा छह जून को एक धार्मिक अनुष्ठान के लिए अपने सहयोगियों के साथ उसके घर आया था। उन्होंने बताया कि बाबा ने कथित तौर पर महिला से कहा कि वह अंधेरी शक्तियों के प्रभाव में है और उसे उनसे मुक्त करने के लिए एक विशेष अनुष्ठान की आवश्यकता है। महिला का आरोप है कि अनुष्ठान के नाम पर बाबा ने 40 हजार रुपए ले लिए और बाद में उसे विशेष पूजा के लिए 15 जून को आश्रम में बुलाया। महिला ने बताया कि 15 जून को वह अपने दो देवरों रामवीर और सुखवीर के साथ आश्रम पहुंची। उसने आरोप लगाया कि यादव अनुष्ठान करने के बहाने उसे एक अलग कमरे में ले गया और उसका यौन उत्पीड़न करने का प्रयास किया।

## योगी आदित्यनाथ ने गाय संरक्षण में अधिक भागीदारी का किया आह्वान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**अयोध्या (उप्र)/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गो-संरक्षण में अधिक भागीदारी का आह्वान करते हुए कहा कि गायों की भलाई भारत की संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के संरक्षण से जुड़ी हुई है।

अयोध्या के एक जैन मंदिर में भगवान मुनिसुव्रतनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत एक समारोह में आदित्यनाथ ने कहा, ''गौ माता दिव्यता की एक जीवित अभिव्यक्ति है। उनकी रक्षा, संरक्षण और प्रचार करना हमारा प्रयास होना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि यदि संभव हो तो प्रत्येक जैन परिवार को एक गौशाला गोद लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर पूरी गौशाला को गोद नहीं लिया जा सकता है, तो सालाना कुछ गायों का समर्थन करें। और अगर यह भी संभव नहीं है, तो कम से कम एक गाय का वार्षिक खर्च वहन करें । मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को समय-समय पर ऐसे आश्रय स्थलों का दौरा करना चाहिए और जानवरों के स्वास्थ्य की निगरानी करनी चाहिए। उन्होंने कहा, अगर गौ माता स्वस्थ रहेगी तो भारत की संस्कृति स्वस्थ रहेगी। वैदिक सनातन धर्म भी सुरक्षित रहेगा और जैन धर्म भी सुरक्षित रहेगा। ये अलग-अलग परंपराएं नहीं हैं, एक-दूसरे की पूरक हैं। अयोध्या की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत का जिक्र करते हुए, आदित्यनाथ ने कहा कि शहर में भारत की ज्ञान प्रणालियों और गोरक्षा दोनों की रक्षा करने की एक लंबी परंपरा रही है। उन्होंने कहा, अयोध्या का एक लंबा इतिहास है। अयोध्या के राजाओं ने भारत की ज्ञान परंपरा की रक्षा की और गौ माता की भी रक्षा की।

## योगी ने प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ने के लिए 13 मार्गों के विकास को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**गोंडा, (उप्र)/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को मां पाटेश्वरी शक्तिपीठ धाम एवं अन्य धार्मिक स्थलों तक सड़क संपर्क बेहतर करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने देवीपाटन मंडल के मां पाटेश्वरी देवी शक्तिपीठ एवं स्वामीनाराण मंदिर से बस्ती के मखौड़ा धाम एवं अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले प्रमुख 13 मार्गों के विकास को मंजूरी दी। कुल 4901.65 करोड़ रुपए की एक हजार से अधिक विकास परियोजनाओं के प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई। योगी ने महाराजा सुहेलदेव सभागार में लोक निर्माण विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा की तथा नई कार्य योजनाओं पर जनप्रतिनिधियों के साथ मंथन किया। इस दौरान उन्होंने देवीपाटन मंडल के गोंडा, बलरामपुर, बहराइच और श्रावस्ती की सड़क संपर्क परियोजनाओं की प्रगति परखी। इसके साथ ही उन्होंने बस्ती मंडल के बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीरनगर की विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने, जर्जर सड़कों के पुनर्निर्माण, संपर्क मार्गों के सुदृढ़ीकरण और पुल सेतु से जुड़े निर्माण कार्यों पर चर्चा हुई। एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री को देवीपाटन की मंडलायुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने सड़क, पुल, सेतु और अन्य आधारभूत विकास परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने लंबित कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को विभिन्न विकास परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति के बारे में रिपोर्ट दी। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की करीब 50-50 करोड़ की विकास परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण देखा। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से विकास परियोजनाओं की स्थिति पर चर्चा की।

## ओडिशाः छापेमारी से अभियंता के पास 32 भूखंड और दो फार्महाउस समेत करोड़ों की संपत्ति होने का खुलासा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**भुवनेश्वर/भाषा।** ओडिशा सतर्कता ब्यूरो ने शुक्रवार को कोरापुट जिले में एक सरकारी अभियंता के विभिन्न परिसर पर की गई छापेमारी के दौरान उसके पास 32 भूखंड, दो फार्महाउस, सोने के आभूषण व नकदी समेत करोड़ों रुपए की संपत्ति होने का खुलासा किया। सतर्कता ब्यूरो के (जयपुर मंडल) के पुलिस अधीक्षक एस. सुश्री ने बताया कि यह कार्रवाई कोटपाड़ ब्लॉक के सहायक कार्यकारी अभियंता सत्यनारायण सेठी के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति रखने के आरोपों के संबंध में की गई।

सेठी से जुड़े सात परिसर पर एक साथ छापेमारी की गई, जिनमें उनका घर, अन्य संपत्तियां और कार्यालय परिसर शामिल थे। सतर्कता अधिकारियों को छापेमारी के दौरान अभियंता के पास 32 कीमती भूखंड, दो फार्महाउस, करीब 300 ग्राम सोने के आभूषण, 600 ग्राम चांदी और 5.48 लाख रुपए नकद होने का पता चला। उन्होंने बताविस्तृतया कि एक फ्लैट व बैंक तथा डाकघर में जमा राशि का भी पता चला है, जिसकी जांच की जा रही है।

सुश्री ने बताया कि कोरापुट जिले के बोरिगुमा ब्लॉक में एक फार्महाउस का पता चला है, जो 10.03 एकड़ में । उन्होंने बताया कि इसमें आम और नीलगिरी के पेड़ लगे हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि इसी इलाके में एक अन्य फार्महाउस भी है, जो 4.35 एकड़ में फैला है और वहां नीलगिरी का बागान है। उन्होंने पत्रकारों को बताया, हमें उम्मीद है कि जांच आगे बढ़ने पर कुछ और संपत्तियों का भी पता चल सकता है। हम इंजीनियर और उनके परिवार के सदस्यों से पूछताछ करेंगे। अधिकारियों के अनुसार, सेठी ने वर्ष 1998 में कनिष्ठ अभियंता के पद पर सरकारी सेवा शुरू की थी। उस समय सेठी की तैनाती कोरापुट स्थित मुख्य अभियंता, अपर कोलाब डिवीजन के कार्यालय में हुई थी और उनका शुरुआती वेतन 7,100 रुपए प्रति माह था।

वर्ष 2015 में उन्हें सहायक अभियंता के पद पर पदोन्नति मिली और उन्हें कोटपाड़ ब्लॉक में तैनात किया गया। जून 2020 में सेठी का तबादला उसी जिले के बोरिगुमा ब्लॉक में कर दिया गया। वर्ष 2025 में उन्हें सहायक कार्यकारी अभियंता के पद पर पदोन्नत किया गया।

## बिहार में रेल अवसंरचना के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपए से अधिक का बजट आवंटित : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**पटना/सारण/भाषा।** रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मौजूदा वित्त वर्ष में बिहार में रेल अवसंरचना के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपए से अधिक का रिकॉर्ड बजट आवंटित किया है।

वैष्णव ने पटना में संवाददाताओं से कहा, ''बिहार में लगभग 1.15 लाख करोड़ रुपए की रेलवे परियोजनाएं पहले से चल रही हैं। प्रधानमंत्री ने मौजूदा वित्त वर्ष में बिहार में रेल अवसंरचना के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपए से अधिक का रिकॉर्ड रेल बजट आवंटित किया है।'' उन्होंने कहा कि पटना की रेलवे क्षमता बढ़ाने के लिए हार्डिंग पार्क में पांच अतिरिक्त प्लेटफॉर्म का निर्माण किया जा रहा है। वैष्णव ने कहा कि इसके अलावा राज्य की राजधानी के निकट स्थित फतुहा रेलवे स्टेशन का भी विकास किया जा रहा है।

रेल मंत्री ने छपरा से दिल्ली के लिए एक नई एक्सप्रेस ट्रेन सेवा शुरू किए जाने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, ''छपरा से दिल्ली के लिए एक नई एक्सप्रेस ट्रेन को भी शुक्रवार को रवाना किया जाएगा।'' वैष्णव ने कहा कि बिहार में निर्मित लोकोमोटिव इंजनों का निर्यात किया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''आज बिहार के मढ़ौरा संयंत्र से 51वां लोकोमोटिव इंजन अफ्रीकी देश को निर्यात किया जाएगा।'' एक दिवसीय बिहार दौरे पर आए वैष्णव ने सारण में छपरादिल्ली (आनंद विहार) एक्सप्रेस, मऊदिल्ली (आनंद विहार) एक्सप्रेस तथा दोहरी घाटऔड़िहार मेमू ट्रेन सेवा के वाराणसी तक विस्तार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मौजूद थे, जबकि उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ए.के. शर्मा कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

## बिरला से मिलने के बाद अभिषेक बनर्जी ने कहाः बागी सांसदों को अयोग्य ठहराने के लिए 20 याचिकाएं दी गईं

**नई दिल्ली/भाषा।** तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शुक्रवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर पार्टी के 20 बागी सांसदों के खिलाफ 20 याचिकाएं सौंपीं और उनकी सदस्यता रद्द करने की मांग की। लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से बातचीत में बनर्जी ने कहा कि इन सांसदों ने 'नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया' (एनसीपीआई) में शामिल होने का दावा किया है और पार्टी छोड़ने के आधार पर इन सांसदों को सदन की सदस्यता से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। बनर्जी ने कहा, 20 लोगों ने लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात की और खुद को एक अलग समूह के रूप में मान्यता देने की मांग की। बाद में हमें पता चला कि इन सांसदों ने एनसीपीआई नाम की दूसरी पार्टी में शामिल होने का दावा किया है। किसी ने इस पार्टी का नाम नहीं सुना था। यहां तक कि इन सांसदों ने भी पहले इसका नाम नहीं सुना था। संविधान की 10वीं अनुसूची में यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि कोई सदस्य स्वेच्छा से अपनी पार्टी की सदस्यता छोड़ता है, तो वह सांसद के रूप में अयोग्य हो जाता है।

## भगवान परशुराम पर भाजपा का पेटेंट नहीं, पहले राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का जवाब दे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** कांग्रेस ने अपने कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा राहुल गांधी को जन्मदिन पर भगवान परशुराम के रूप में प्रदर्शित करने को लेकर भाजपा के हमले पर पलटवार करते हुए शुक्रवार को कहा कि भगवान परशुराम पर सत्तारूढ़ पार्टी का कोई पेटेंट नहीं है और ''नाथूराम को मानने वालों'' को पहले राम मंदिर में चढ़ावे की ''चोरी'' पर जवाब देना चाहिए।

कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने संवाददाताओं से कहा, ''आज कुछ लोग राहुल जी को अंबेडकर जी की तरह पेश कर रहे हैं, कुछ लोग उन्हें बिरसा मुंडा की तरह पेश कर रहे हैं और कुछ लोग परशुराम जी की तरह पेश कर रहे हैं। मैं होता तो यह कहता कि राहुल गांधी को राहुल गांधी ही रहने देते हैं, क्योंकि उनकी अपनी व्यक्तिगत पहचान, योग्यता और सामूहिक लड़ाई है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन भाजपा का क्या, वह तीन में न तेरह में। भाजपा कौन होती है, इस पर सवाल पूछने वाली?'' कन्हैया कुमार ने सवाल किया कि क्या परशुराम जी या राम जी पर उसका पेटेंट है? इससे पहले, भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने राहुल गांधी के जन्मदिन पर उन्हें भगवान परशुराम के रूप में प्रदर्शित कर हिंदू धर्म का अपमान किया है। वाराणसी में युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का 56वां जन्म दिन, गंगा नदी में उनकी तस्वीर पर दूध चढ़ाने सहित प्रतीकात्मक हिंदू रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया।

## पेंशन भुगतान में हो रही देरी के लिए जवाबदेही तय की जाए : पटनायक

**भुवनेश्वर/भाषा।** बीजू जनता दल (बीजद) के प्रमुख और ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को पत्र लिखकर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत जरूरतमंद लोगों को पेंशन नहीं मिलने पर चिंता जताई। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि पात्र लाभार्थियों को लंबित पेंशन का भुगतान तुरंत किया जाए। पटनायक ने कहा कि पिछले तीन महीने से करीब 18 लाख लाभार्थियों को पेंशन नहीं मिली है। उन्होंने इसे शासन-प्रशासन की गंभीर विफलता बताया। राज्य सरकार ने बताया है कि पेंशन वितरण में इस्तेमाल होने वाले सॉफ्टवेयर में तकनीकी खराबी के कारण देरी हो रही है।

पटनायक ने कहा, सरकार को इस चूक के लिए जिम्मेदारी तय करनी चाहिए और पेंशनधारकों को भरोसा दिलाना चाहिए कि भविष्य में उनके अधिकारों से समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से सभी लंबित पेंशन राशि का तुरंत 'मैनुअल' तरीके से भुगतान कराने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न आए।

## प्रेम संबंध में बाधा बने छह वर्षीय बच्चे की हत्या, उसकी मां गिरफ्तार

**मेरठ/भाषा।** उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में प्रेम संबंधों में बाधा बनने पर छह वर्षीय बालक की हत्या कराने के आरोप में उसकी मां को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अभिजीत कुमार ने शुक्रवार को बताया कि इस मामले में महिला का प्रेमी पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। कुमार ने बताया कि 16 जून को बहसूमा थाने में एक महिला की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था तथा उस महिला ने आरोप लगाया था कि मुजफ्फरनगर का अर्पित शर्मा छह वर्षीय बालक को कार में बैठाकर ले गया और उसके साथ अनहोनी की आशंका है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के बाद पूछताछ के दौरान में शर्मा ने स्वीकार किया कि उसकी और महिला गुरप्रीत कौर के प्रेम संबंधों में यह बालक बाधा बन रहा था, इसी वजह से उसने उसकी हत्या कर शव को हस्तिनापुर क्षेत्र के जंगल में छिपा दिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा हत्या में प्रयुक्त चाकू और कार भी बरामद कर ली। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ने बताया कि विवेचना और अन्य साक्ष्यों के आधार पर बच्चे की मां गुरप्रीत कौर की संलिप्तता भी सामने आई जिसके बाद पुलिस ने शुक्रवार को उसे गिरफ्तार कर लिया। शर्मा को पहले ही न्यायालय में पेश कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि गुरप्रीत कौर को रिमांड की कार्रवाई के लिए न्यायालय में पेश किया गया।

## मनिका बत्रा विवाद से शरत ने काटी कन्नी, कहा- सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ही देश के लिए खेलें

**नई दिल्ली/भाषा।** भारत के महान टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंत शरत कमल ने एशियाई खेलों के लिए मनिका बत्रा का चयन नहीं किए जाने को लेकर पैदा हुए विवाद से कन्नी काटते हुए कहा कि पदक जीतने के लिए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को ही देश का प्रतिनिधित्व करना चाहिए । शरत ने हालांकि कहा कि टीम चयन पर सवाल उठना कोई नई बात नहीं है लेकिन उम्मीद जताई कि उन्हें टीम में लाया जा सकता है । उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा ,'' मैं इस पर ज्यादा नहीं कह सकता क्योंकि मैं चयन समिति का हिस्सा नहीं हूं । लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी टीम में हों ताकि भारत पदक जीत सके ।'' उन्होंने आईओए की एथलीट फोरम के दूसरे सत्र से इतर कहा ,'' अभी यह खत्म नहीं हुआ है ।उन्हें टीम में लाने के रास्ते हो सकते हैं लेकिन इस पर फैसला लेना मेरा काम नहीं है ।'' भारत की सबसे मशहूर टेबल टेनिस स्टार मनिका को बृहस्पतिवार को इस साल के एशियाई खेलों के लिए चुनी गई टीम से बाहर रखा गया क्योंकि वह भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) द्वारा निर्धारित चयन मानदंड पर खरी नहीं उतर सकीं। मनिका ने घरेलू प्रतियोगिताओं में हिस्सा नहीं लिया जिसके कारण वह टीटीएफआई रैंकिंग में शामिल नहीं हो सकीं।

# गेंदबाजी इकाई में भूमिका स्पष्ट होनी चाहिएः मिताली राज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

**नई दिल्ली/भाषा।** पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज मिताली राज का मानना है कि भारतीय महिला टीम के गेंदबाजी विभाग में भूमिका को लेकर स्पष्टता का अभाव है जो मौजूदा आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के अहम मैच से पहले चिंता का विषय है।

भारत ने पूल ए के अपने शुरुआती दो मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान और नीदरलैंड को हराकर अपने टी20 विश्व कप अभियान की शानदार शुरुआत की। लेकिन हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम अब रविवार को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी, जिसके बाद उसे 28 जून को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है जो उसके लिए कड़ी परीक्षा होगी। भारत 25 जून को बांग्लादेश से खेलेगा। दाएं हाथ की ऑफ स्पिनर शेयंका पाटिल के टखने की चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गई हैं। वहीं टीम के अपेक्षाकृत कमजोर और खराब फॉर्म वाले सीम आक्रमण के कारण मिताली को लगता है कि गेंदबाजी भारत की सबसे कमजोर कड़ी है। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप विशेषज्ञ मिताली ने 'जियोस्टार मीडिया डे' पर बात करते हुए कहा, ''गेंदबाजी के पहले छह ओवर ऐसे हैं जहां मैं उम्मीद करती हूं कि जो भी गेंदबाजी कर रहा है वह हमें विकेट दिलाएगा। पिछली दो-तीन सीरीज में हम ऐसा नहीं देख पाए। भारत को काश्वी गौतम और अमनजोत कौर की कमी खल रही है, लेकिन हमारे पास जो संसाधन हैं, उनसे हमें शुरुआती कुछ ओवरों में बढ़त बनाने की जरूरत है। जब आपको शुरुआती सफलता मिलती है तो यह बल्लेबाजी करने वाली टीम पर दबाव डालता है। '' उन्होंने कहा, ''दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों के खिलाफ आप और अधिक दबाव डालना चाहते हैं। हमारे तेज गेंदबाजों को बेहतर शुरुआत देने के लिए परिस्थितियों का अच्छी तरह फायदा उठाने और सही लाइन एवं लेंथ पर गेंद डालने की जरूरत है। ''

पूर्व कप्तान मिताली राज ने कहा, ''मेरी चिंता हमारी गेंदबाजी को लेकर है क्योंकि बल्लेबाजों को अपनी भूमिका पता है। लेकिन जब गेंदबाजों की बात आती है तो हमारी स्ट्राइक गेंदबाज कौन हैं, कौन हमें विकेट दिलाएगा और कौन रन गति को रोकेगा, पता होना चाहिए। गेंदबाजी विभाग में भूमिका स्पष्ट होनी चाहिए। ''

## सुविचार

**भाग्य भी उसी का साथ देता है जो मुश्किल घड़ियों में भी अपने कर्म से पीछे नहीं हटता।**

## दक्षिण भारत राष्ट्रमत

# कौन बदलेगा शिक्षा प्रणाली?

वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश की शिक्षा प्रणाली की प्रासंगिकता पर जो सवाल उठाए हैं, वे अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। उनके इन शब्दों से ज्यादातर लोग सहमत होंगे कि भारत की शिक्षा प्रणाली अपने बच्चों पर दबाव डालती है, उन्हें तनाव देती है। बेशक इसमें सुधार की जरूरत है। अब राहुल गांधी से एक सवाल है– देश में यह शिक्षा प्रणाली लागू किसने की थी? आप ही की पार्टी की सरकारें थीं, जो देश में ऐसी शिक्षा प्रणाली लेकर आईं और उसे आगे बढ़ाती रहीं। आज देश में इतनी बेरोजगारी है तो इसकी जिम्मेदारी हर उस राजनीतिक पार्टी को लेनी होगी, जो कभी न कभी सत्ता में रही है। भारत से जो लोग फिनलैंड, सिंगापुर, जापान, कनाडा, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड और स्विटजरलैंड जैसे देशों में जाकर वहां की शिक्षा प्रणाली के बारे में बताते हैं तो आश्चर्य होता है। वहां बच्चे बहुत अच्छे माहौल में खेलकूद के साथ पढ़ाई करते हैं। हमारे देश में पाठ्यक्रम कई बार बदला, लेकिन तौर-तरीके नहीं बदले। यहां दशकों पुराना ढर्रा चल रहा है। किताबों की शैली अरुचिकर है। बच्चा उन किताबों को देखकर घबराता है। उसकी घबराहट उस समय और बढ़ जाती है, जब उससे कहा जाता है कि 'पढ़ ले, वरना बेरोजगार घूमेगा'। वह खूब पढ़ता है। इसके लिए रात-रातभर जागता है। फिर भी बेरोजगार रहता है। क्या इससे यह संकेत नहीं मिलता कि हमारी शिक्षा प्रणाली के साथ कुछ बड़ी समस्याएं हैं? जो नौजवान अपनी ज़िंदगी के सात-आठ साल सरकारी नौकरी की तैयारी में लगाने के बावजूद खाली हाथ रह जाता है, उसकी तकलीफ शब्दों में बयान नहीं की जा सकती है। इसमें उसका क्या दोष है? जो सत्ता में भागीदार रहे हैं, जिनके पास शिक्षा प्रणाली का निर्माण करने की शक्ति रही है, उनसे यह सवाल पूछा जाएगा।

हाल के वर्षों में चीन ने कई पाठ्यक्रम हटाए हैं। उसका तर्क है कि ये बाजार मांग के लिए प्रासंगिक नहीं हैं। उन पाठ्यक्रमों को लागू किया जा रहा है, जो युवाओं को रोजगार के लायक बनाते हैं। क्या हम भारत में ऐसा नहीं कर सकते? यहां कई परीक्षाओं में विचित्र सवाल पूछे जाते हैं। एक परीक्षा में 20 साल पुराने ऑस्कर पुरस्कार विजेता के बारे में पूछा गया! एक अन्य परीक्षा में घड़ी की सुइयों और पानी में उनकी परछाई के बारे में पूछा गया! अभ्यर्थी ऐसे सवालों के लिए कई-कई घंटे कोचिंग में बिताते हैं, मोटी-मोटी पोथियां रटते हैं। इनसे उन्हें अपने जीवन में कितना फायदा होगा? गणित की किताब में 'साझा' संबंधी एक अध्याय दिया जाता है। जब दो या दो से ज्यादा लोग साझेदारी में व्यापार करते हैं तो उनमें लाभ-हानि का बंटवारा कैसे किया जाए – यह उस अध्याय में सिखाया जाता है। विडंबना देखिए, उस अध्याय को समझकर भी बच्चा व्यापार करना नहीं सीख सकता! जब व्यापार करना ही नहीं आएगा तो साझेदारी कहां से होगी? पहले व्यापार करना सिखाइए। उसके बाद साझेदारी की बात कीजिए। भारत के स्कूलों में दशकों से एक प्रार्थनापत्र खूब लिखवाया गया– 'आपके पिताजी एक गरीब आदमी हैं। वे आपकी स्कूल फीस नहीं दे सकते, इसलिए प्रधानाध्यापक से विनती कीजिए कि मेरी स्कूल फीस माफ कर दें।' हाल में पंजाब के मुख्यमंत्री ने भी ऐसा मुद्दा उठाया था। क्या यह प्रार्थनापत्र बच्चों के मन में हीनभावना भरने की कोशिश नहीं है? अगर किसी बच्चे के पिता सच में गरीब हैं तो उसके मन पर इसका क्या असर पड़ेगा? क्या किसी शिक्षा विशेषज्ञ ने उस बच्चे के बारे में सोचा है? ऐसा प्रार्थनापत्र लिखवाने की नौबत ही नहीं आनी चाहिए। जरूरतमंद बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मुफ्त होनी चाहिए। शिक्षा प्रणाली ऐसी होनी चाहिए, जो बच्चों को देशभक्त, अनुशासित नागरिक और अच्छा इन्सान बनाए। साथ ही, उन्हें इतना काबिल भी बनाए कि रोजगार के लिए दूसरों के सामने हाथ न फैलाना पड़े। क्या राहुल गांधी कांग्रेस-शासित राज्यों में ऐसी शिक्षा प्रणाली लागू करके दिखाएंगे?

## ट्वीटर टॉक

हज़ारों स्टूडेंटस, युवाओं और पेरेंट्स के बीच, जो कई मुश्किलों के बावजूद इकट्ठा हुए, हमारे विपक्ष के नेता राजीव गांधी ने एजुकेशन सिस्टम की कमियों, पेपर लीक और सिस्टम की नाकामियों पर खुलकर बातचीत की। यह कोई पॉलिटिकल प्लेटफॉर्म नहीं था ।

**–अशोक गहलोत**

अपना सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र की सेवा में समर्पित करने वाले, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पांचवें सरसंघचालक परम श्रद्धेय के. एस. सुदर्शन जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन। राष्ट्र और समाज की उन्नति के लिए आपने जो सेवा का पवित्र मंत्र दिया है, वह सदैव हमें सेवा के पुण्य पथ पर गतिमान रखेगा।

**–वासुदेव देवनानी**

राज्य में आंगनवाड़ी सेंटर्स के रीडेवलपमेंट और बेसिक सुविधाओं को मजबूत करने में योगदान देने वाली संस्थाओं ने अपने काम और अनुभव शेयर किए। सीएसआर के ज़रिए अलग-अलग संस्थाओं का सपोर्ट इस दिशा में एक ज़रूरी कदम ह।

**–वासुदेव देवनानी**

## प्रेरक प्रसंग

# चापलूसी का विष

एक राजा दरबार में बैठे विद्वानों से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान कर रहे थे। उन्होंने प्रश्न किया कि सबसे तेज काटने वाला कौन होता है। एक विद्वान ने कहा 'ततैया'। दूसरे ने कहा 'मधुमक्खी' और तीसरे ने कहा 'बिच्छू'। चौथे ने कहा राजन सांप का काटा तो पानी भी नहीं मांगता। इन जवाबों को सुनकर राजा का समाधान नहीं हो पाया। उन्होंने सिंहासन पर विराजमान राजगुरु से कहा, 'महाराज! इसका उत्तर आप ही दीजिए।' 'राजन मेरी दृष्टि में सबसे ज्यादा जहरीले दो होते हैं। एक निंदक और दूसरा चाटुकार।' राजपुरोहित ने अपनी बात स्पष्ट करते हुए कहा कि निंदक के हृदय में निंदा द्वेष रूपी जहर भरा रहता है। वह निंदा करके पीछे से ऐसे काटता है कि आदमी तिलमिला उठता है। चाटुकार अपनी वाणी में मीठा विष भरकर ऐसी चापलूसी करता है कि आदमी अपने दुर्गुणों को गुण समझकर अहंकार के नशे में चूर हो जाता है। चापलूस की वाणी विवेक को काटकर जड़मूल से नष्ट कर देती है।

## सामयिक

# जीवन को सहज, सरल बनाता है योग

संदीप सृजन

मोबाइल : 9406649733

**योग जीवन को सहजता, सरलता और नैतिकता प्रदान करने वाला अमृत है। यह केवल व्यायाम नहीं, बल्कि संतुलित, स्वस्थ और मूल्यनिष्ठ जीवन जीने की कला है। जो व्यक्ति योग को अपनाता है, वह स्वयं सुखी रहता है और अपने आसपास भी शांति तथा सकारात्मकता का वातावरण निर्मित करता है। इसलिए योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए।**

आज का मनुष्य जितना व्यस्त, तनावग्रस्त और असंतुलित है, शायद पहले कभी नहीं था। भौतिक सुख-सुविधाओं की अंधी दौड़, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, तकनीकी निर्भरता और रिश्तों की जटिलताओं ने जीवन को उलझा दिया है। स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है, मन अशांत है और नैतिक मूल्य कमजोर पड़ते जा रहे हैं। ऐसे समय में भारतीय ऋषियों की अमूल्य देन योग जीवन को नई दिशा प्रदान करता है। योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने की पद्धति नहीं, बल्कि जीवन को सहज, सरल और नैतिक बनाने वाला संपूर्ण जीवन-दर्शन है। 'योग' शब्द संस्कृत धातु युज से बना है, जिसका अर्थ है-जोड़ना। योग शरीर को मन से, मन को आत्मा से और आत्मा को परमात्मा से जोड़ता है। महर्षि पतंजलि ने कहा है- योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः, अर्थात मन की चंचल वृत्तियों का निरोध ही योग है। जब मन शांत होता है, तब जीवन की अनेक समस्याएँ स्वतः सरल हो जाती हैं। इसलिए योग केवल आसनों का अभ्यास नहीं, बल्कि आत्मिक संतुलन और आंतरिक शांति का मार्ग है।

योग की परंपरा वैदिक काल से चली आ रही है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को उपदेश देते हैं- योगस्थः कुरु कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा धनंजय। सिद्ध्यसिद्ध्योः समो भूत्वा समत्वं योग उच्यते।।

अर्थात सफलता और असफलता में समभाव रखते हुए, आसक्ति छोड़कर कर्म करना ही योग है। गीता का एक अन्य प्रसिद्ध सूत्र है- योगः कर्मसु कौशलम्, अर्थात कर्मों में कुशलता ही योग है। योगी व्यक्ति बिना तनाव और लालसा के अपने कर्तव्यों का निर्वहन करता है, जिससे जीवन अधिक संतुलित और सहज बनता है। पतंजलि द्वारा प्रतिपादित अष्टांग योग-यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि- मानव जीवन के सर्वांगीण विकास का आधार हैं। इनमें यम और नियम नैतिक जीवन की मजबूत नींव रखते हैं। अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे यम तथा शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्रणिधान जैसे नियम व्यक्ति के चरित्र को सुदृढ़ बनाते हैं।

आज तनाव अधिकांश शारीरिक और मानसिक समस्याओं का मूल कारण बन चुका है। नियमित योगाभ्यास शरीर को स्वस्थ, लचीला और ऊर्जावान बनाता है। प्राणायाम श्वास को संतुलित कर मानसिक तनाव कम करता है, जबकि ध्यान मन को एकाग्र और शांत बनाता है। सूर्य नमस्कार पूरे शरीर को सक्रिय करता है और शवासन गहन विश्राम प्रदान करता है। अनेक वैज्ञानिक अध्ययनों ने भी सिद्ध किया है कि योग नींद की गुणवत्ता सुधारता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है तथा मानसिक स्पष्टता प्रदान करता है। योग का एक महत्वपूर्ण संदेश है- सादगी। आज जितना अधिक मनुष्य संग्रह करता है, उतनी ही चिंताएँ बढ़ती हैं। योग अपरिग्रह और संतोष का पाठ पढ़ाता है। कहा गया है-संतोषः परमं सुखम, अर्थात संतोष ही सर्वोच्च सुख है। योगी व्यक्ति आवश्यकताओं को सीमित रखकर जीवन को सरल बनाता है और भौतिक वस्तुओं का दास नहीं बनता। ध्यान के माध्यम से व्यक्ति वर्तमान में जीना सीखता है। वह न तो अतीत की स्मृतियों में उलझता है और न ही भविष्य की चिंताओं में। परिणामस्वरूप जीवन अधिक सहज, संतुलित और आनंदमय बन जाता है। योग की विशेषता यह भी है कि इसके लिए किसी महंगे उपकरण या विशेष व्यवस्था की आवश्यकता नहीं होती। एक शांत स्थान, थोड़ी-सी जागरूकता और नियमित अभ्यास ही पर्याप्त है।

योग का सबसे गहरा प्रभाव नैतिकता पर पड़ता है। यम और नियम व्यक्ति को सत्य, संयम, करुणा और आत्मानुशासन की ओर प्रेरित करते हैं। अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा से बचना नहीं, बल्कि विचारों और वाणी में भी संवेदनशीलता बनाए रखना है। सत्य व्यक्ति को आत्मविश्वास देता है, जबकि ब्रह्मचर्य और संयम जीवन में संतुलन स्थापित करते हैं। योगी प्रत्येक प्राणी में समान आत्मा का दर्शन करता है। यही दृष्टि भेदभाव मिटाकर सच्ची नैतिकता और मानवता को जन्म देती है। योग लोभ, क्रोध, मोह और अहंकार जैसे विकारों पर विजय पाने की शक्ति देता है। इसलिए कहा गया है-मन के हारे हार है, मन के जीते जीत। योग की वैश्विक महत्ता को स्वीकार करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2014 में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्ताव पर 21 जून को विश्व योग दिवस घोषित किया। 177 देशों के अभूतपूर्व समर्थन से यह प्रस्ताव पारित हुआ। तब से प्रत्येक वर्ष विश्वभर में करोड़ों लोग योगाभ्यास कर इसके स्वास्थ्य और आध्यात्मिक लाभों का अनुभव करते हैं। यह दिवस इस तथ्य का प्रतीक है कि योग किसी धर्म, जाति या देश की सीमा में बंधा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता की धरोहर है। आज अधिकांश लोग समयाभाव का बहाना बनाते हैं, जबकि प्रतिदिन केवल 20 से 30 मिनट का योगाभ्यास भी जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। योग दिवस हमें स्मरण कराता है कि योग कोई बोझ नहीं, बल्कि जीवन का उत्सव है। इसकी वास्तविक सफलता सरकारी कार्यक्रमों में नहीं, बल्कि व्यक्तिगत जीवन में नियमित अभ्यास से प्राप्त होती है।

योग जीवन को सहजता, सरलता और नैतिकता प्रदान करने वाला अमृत है। यह केवल व्यायाम नहीं, बल्कि संतुलित, स्वस्थ और मूल्यनिष्ठ जीवन जीने की कला है। जो व्यक्ति योग को अपनाता है, वह स्वयं सुखी रहता है और अपने आसपास भी शांति तथा सकारात्मकता का वातावरण निर्मित करता है। इसलिए योग को केवल एक दिवस तक सीमित न रखकर जीवन का अभिन्न अंग बनाना चाहिए। योग से ही स्वास्थ्य, संतुलन, शांति और सच्चे मानव जीवन की प्राप्ति संभव है।

## नजरिया

# योग है दुनिया के लिए भारत का शाश्वत अवदान

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

**वर्तमान समय में मानवता जिस दोराहे पर खड़ी है, वहां योग केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। यह शरीर को निरोग, मन को शांत, बुद्धि को निर्मल और आत्मा को जागृत करता है। यह युद्ध के स्थान पर शांति, हिंसा के स्थान पर करुणा और तनाव के स्थान पर संतुलन का मार्ग दिखाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि मनुष्य बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर की दुनिया को बदले। भारत ने योग के माध्यम से विश्न को एक अमूल्य उपहार दिया है।**

आज जब पूरी दुनिया युद्धों, आतंकवाद, हिंसा, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और नई-नई बीमारियों की चुनौतियों से घिरी हुई है, तब मानवता एक ऐसे मार्ग की तलाश में है जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी संतुलित कर सके। ऐसे संक्रमणकाल में योग केवल एक व्यायाम पद्धति या स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए आशा का प्रकाश-स्तंभ बनकर उभरा है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज केवल भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का उत्सव बन गया है। भारत अनादिकाल से योग की भूमि रहा है। इस भूमि के कण-कण में ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों और योगियों की साधना की सुगंध समाई हुई है। वैदिक ऋषियों से लेकर भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ तक, सभी ने योग को जीवन के उत्कर्ष और मानव कल्याण का आधार माना। योग ने भारत की आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं गढ़ा, बल्कि विश्व को यह संदेश भी दिया कि मनुष्य का वास्तविक विकास भीतर से प्रारंभ होता है।

आज विश्व जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह चिंता का विषय है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, आतंकवाद की घटनाएं, साम्प्रदायिक तनाव और हथियारों की बढ़ती होड़ मानव सभ्यता को भय और असुरक्षा की ओर धकेल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, लेकिन इनके साथ विनाश की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में योग की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। योग मनुष्य को भीतर से शांत, संतुलित और संवेदनशील बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी समाज और राष्ट्र में शांति का वातावरण निर्मित होगा। योग का मूल अर्थ ही है- जोड़ना। यह मनुष्य को मनुष्य से, आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से और मानवता को सम्पूर्ण सृष्टि से जोड़ता है। योग विभाजन नहीं, एकता का दर्शन है। इसलिए वह हिंसा, घृणा, आतंक और संघर्ष का स्वाभाविक प्रतिरोधक है। जो व्यक्ति योग के माध्यम से अपने भीतर करुणा, प्रेम और अहिंसा का विकास करता है, वह किसी के प्रति द्वेष नहीं रख सकता। यही कारण है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और भगवान महावीर का जीव-दया का संदेश भी योग की व्यापक चेतना से जुड़ा हुआ दिखाई देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज मानसिक तनाव, अवसाद, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन भीतर से खाली और अशांत होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में योग एक समग्र चिकित्सा-पद्धति के रूप में सामने आया है। योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करता है। नियमित आसन, प्राणायाम और ध्यान व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं, तनाव को कम करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दुनिया ने अनुभव किया कि स्वस्थ जीवनशैली और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है। उस समय योग, प्राणायाम और ध्यान ने करोड़ों लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं कि योग अनेक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सहायक माध्यम है। यह दवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है।

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को चित्तवृत्ति निरोध कहा है। अर्थात मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज की पीढ़ी, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यसनों के बीच जी रही है, उसके लिए योग मानसिक संतुलन का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। योग का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका नैतिक और मानवीय आयाम भी है।

यम और नियम जैसे सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और संतोष की शिक्षा देते हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अपनाया जाए, तो हिंसा, भ्रष्टाचार, अपराध और सामाजिक विद्वेष जैसी समस्याओं में स्वाभाविक कमी आ सकती है। इसलिए योग केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक पुनर्निर्माण का भी अभियान है। भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता में योग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक शक्ति और विश्वसनीयता का बड़ा प्रमाण है। आज दुनिया के लगभग सभी देशों में योग का अभ्यास किया जा रहा है। यह केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने योग के साथ-साथ भारतीय अहिंसा, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, मिलेट्स आधारित भारतीय खानपान और वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा को भी विश्व मंच पर स्थापित करने का प्रयास किया है। यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति बनने का सपना नहीं देखता, बल्कि मानवता को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाने की क्षमता भी रखता है। यही विश्वगुरु भारत की अवधारणा का मूल है।

भारतीय आयुर्वेद और योग का संबंध भी अत्यंत गहरा है। आयुर्वेद शरीर की चिकित्सा करता है, जबकि योग मन और चेतना को संतुलित करता है। दोनों मिलकर स्वस्थ जीवन की संपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करते हैं। आज जब दुनिया रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभावों और जीवनशैली जनित रोगों से चिंतित है, तब योग और आयुर्वेद एक वैकल्पिक नहीं, बल्कि पूरक एवं स्थायी समाधान के रूप में उभर रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि योग ने हर युग में एक मौन क्रांति को जन्म दिया है। इसने राजाओं को ऋषि बनाया, योद्धाओं को संत बनाया और सामान्य मनुष्यों को असाधारण व्यक्तित्व प्रदान किए। स्वामी विवेकानन्द ने योग के माध्यम से भारतीय अध्यात्म को विश्व के सामने रखा। महात्मा गांधी ने कर्मयोग और अहिंसा के बल पर एक साम्राज्य को चुनौती दी। श्री अरविन्द ने योग को मानव चेतना के विकास का साधन बनाया। यह सब योग की परिवर्तनकारी शक्ति के उदाहरण हैं। इसलिये योग दिवस उत्सव का नहीं, संकल्प का अवसर बने।

विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, कार्यालयों, उद्योगों और सामाजिक संस्थाओं में योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने की पहल हो। परिवारों में योग, ध्यान और सकारात्मक संवाद की संस्कृति विकसित हो। यदि व्यक्ति स्वस्थ होगा तो परिवार स्वस्थ होगा, परिवार स्वस्थ होगा तो समाज स्वस्थ होगा और समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र एवं विश्व भी स्वस्थ और शांतिपूर्ण बन सकेगा।

योग और ध्यान की भारतीय परम्परा को आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नई दिशा देने वाले महान दार्शनिक, चिंतक एवं आध्यात्मिक धर्मगुरु आचार्य महाप्रज्ञ का योगदान भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रेक्षाध्यान' पद्धति के माध्यम से ध्यान की पारंपरिक अवधारणाओं को एक नया वैज्ञानिक एवं प्रयोगधर्मी स्वरूप प्रदान किया। सदियों से ध्यान मुख्यतः आध्यात्मिक साधना और मोक्ष के मार्ग के रूप में देखा जाता रहा था, किन्तु आचार्य महाप्रज्ञ ने उसे जीवन-विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और व्यक्तित्व विकास से जोड़कर एक नई क्रांति का सूत्रपात किया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपने शरीर, श्वास, चित्त, भावों और चेतना को प्रेक्षा' अर्थात गहराई से देखना सीख जाए, तो उसके भीतर छिपी अनेक मानसिक विकृतियां स्वतः समाप्त होने लगती हैं। प्रेक्षाध्यान ने ध्यान को केवल साधु-संतों की साधना न रहने देकर सामान्य जनजीवन का हिस्सा बनाया।

वर्तमान समय में मानवता जिस दोराहे पर खड़ी है, वहां योग केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। यह शरीर को निरोग, मन को शांत, बुद्धि को निर्मल और आत्मा को जागृत करता है। यह युद्ध के स्थान पर शांति, हिंसा के स्थान पर करुणा और तनाव के स्थान पर संतुलन का मार्ग दिखाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि मनुष्य बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर की दुनिया को बदले। भारत ने योग के माध्यम से विश्व को एक अमूल्य उपहार दिया है। यदि मानवता इस उपहार का सही अर्थों में उपयोग करे, तो एक नई वैश्विक चेतना का उदय संभव है-ऐसी चेतना, जिसमें शांति हो, स्वास्थ्य हो, सह-अस्तित्व हो और समस्त मानवता के कल्याण का भाव हो। यही योग का स्वप्न है, यही भारत का संदेश है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

# 'मुझे हमेशा लगता था कि विजय कुछ बड़ा करने के लिए बने हैं', मुख्यमंत्री से मिलने के बाद बोलीं अभिनेत्री सामंथा

**मुंबई/एजेन्सी**

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने बुधवार को अपने पूर्व सह-कलाकार और वर्तमान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से लगता था कि विजय सिर्फ पर्दे के हीरो बनकर नहीं रह सकते थे, बल्कि वे कुछ बड़ा करने के लिए बने थे। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के साथ अपनी कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए उन्होंने लिखा कि आज जब मैं चेन्नई पहुंची, तो मुझे अपार खुशी का अनुभव हुआ। मैं हमारे मुख्यमंत्री से मिलने जा रही थी। मुझे हमेशा से लगता था कि विजय सर सिर्फ पर्दे के हीरो बनकर नहीं रह सकते। उनकी ऊर्जा, उनका व्यक्तित्व और जिस तरह से लोग उनसे प्रभावित होते हैं, उससे हमेशा यही लगता था कि वे कुछ बड़ा करने के लिए बने थे। इसके बाद उन्होंने कहा, मुझे सबसे ज्यादा प्रेरित करने वाली बात यह है कि एक बिल्कुल नए क्षेत्र में कदम रखने के लिए जिस साहस की जरूरत होती है, वो उनके अंदर है। अपने अब तक के ज्ञान को पीछे छोड़कर एक ऐसी चुनौती का सामना करना जहां जोखिम कहीं अधिक हो। ऐसा इसलिए नहीं कि यह आसान है, बल्कि इसलिए कि आपको विश्वास है कि आप बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि हम सभी को जीवन में किसी न किसी मोड़ पर कुछ बड़ा करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने आगे कहा कि जरूरत अपने आप से परे देखने और यह सोचने की है कि हम कैसे योगदान दे सकते हैं। बहुत कम लोग वास्तव में उस प्रेरणा को स्वीकार करते हैं।यह कहते हुए कि उन्हें लगता है कि विजय उन लोगों को भी चौंका देंगे जो पहले से ही उन पर विश्वास करते हैं, उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसा उनके पद के कारण नहीं, बल्कि उनके उस कार्य के प्रति समर्पण के इरादे के कारण लगता है। उन्होंने पोस्ट का समापन करते हुए कहा कि उन्हें शक्ति, ज्ञान और अपने लक्ष्य पर डटे रहने का साहस मिले, यही मेरी कामना है। और हर उस युवा के लिए जो इसे देख रहा है, यह एक संदेश हो कि जीवन आपके शुरुआती सपने से कहीं अधिक बड़ा हो सकता है।

## अली खामेनेई की अंत्येष्टि में शामिल होगा पाकिस्तान का प्रतिनिधिमंडल : शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने शुक्रवार को घोषणा की कि देश का एक प्रतिनिधिमंडल ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अंत्येष्टि में शामिल होगा। फरवरी में अमेरिका और इज़राइल के हमलों में खामेनेई की मौत हो गई थी। शरीफ ने नेशनल असेंबली को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने बृहस्पतिवार शाम ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन से टेलीफोन पर बातचीत की। उन्होंने कहा कि बातचीत के दौरान ईरानी राष्ट्रपति ने मुश्किल समय में ईरान का साथ देने के लिए बार-बार आभार व्यक्त किया।

शरीफ ने कहा कि ईरानी राष्ट्रपति ने उनसे तीन-चार जुलाई को खामेनेई की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए कहा। उन्होंने सांसदों से कहा, ''मैंने कहा कि पाकिस्तान का प्रतिनिधिमंडल वहाँ मौजूद रहेगा, ताकि हम दुनिया को बता सकें कि हमारे दिल में उनके लिए कितना सम्मान है।'' शरीफ ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए शांति समझौते में पाकिस्तान की भूमिका का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, ''जापान से सऊदी अरब तक, कुआलालंपुर से कासाब्लांका तक और मेक्सिको से भारत तक, अगर किसी देश का नाम सम्मान तथा आदर के साथ गूंज रहा है, तो वह पाकिस्तान है।'' शरीफ ने अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने में ''सबसे अहम भूमिका'' निभाने के लिए सेना प्रमुख आसिम मुनीर की तारीफ की।

**उत्साह**

मैक्सिको के ग्वाडालाजारा में फीफा विश्व कप के ग्रुप ए में मैक्सिको और दक्षिण कोरिया के बीच होने वाले मुकाबले से पहले अपनी टीम का उत्साह बढ़ाते प्रशंसक।

## एकल पर्दा सिनेमाघरों से रूबरू करा रही 'दास्तान-ए-पटना टॉकीज'

पटना/भाषा। पटना की मौजूदा पीढ़ी को शहर के भूले-बिसरे सांस्कृतिक केंद्रों से रुबरु कराने की कोशिश के तहत अब ध्वस्त हो चुके एकल पर्दा वाले सिनेमाघरों की दुर्लभ तस्वीरों, पुराने टिकटों और इनसे जुड़े अन्य दस्तावेजों की यहां एक प्रदर्शनी लगाई गई है।

'दास्तान-ए-पटना टॉकीज' शीर्षक वाली यह प्रदर्शनी पटना के उस गौरवशाली दौर पर प्रकाश डालती है, जब यह शहर फिल्म प्रदर्शन का प्रमुख केंद्र हुआ करता था। साथ ही यह बदलते समय, डिजिटल तकनीक और मल्टीप्लेक्स संस्कृति के आगमन के कारण इस विरासत के धीरे-धीरे लुप्त होने की कहानी भी बयां करती है।

प्रदर्शनी में पटना के कुछ सबसे प्रतिष्ठित एकल पर्दा सिनेमाघरों का इतिहास दर्शाया गया है। इनमें गांधी मैदान के निकट स्थित 'एलफिंस्टन पिक्चर पैलेस' (पटना का सबसे पुराना सिनेमाघर, जिसे बाद में केवल 'एलफिंस्टन' के नाम से जाना गया), 'रीजेंट सिनेमा' (जिसकी शुरुआत 1929 में 'पैलेस ऑफ वैरायटीज' के रूप में हुई बताई जाती है), 1940 के दशक का आर्ट डेको शैली वाला 'पर्ल सिनेमा' (जिसे 2012 में ध्वस्त कर दिया गया), बाकरगंज क्षेत्र का 'रूपक सिनेमा' और पटना-गया रोड स्थित 'अशोक सिनेमा' शामिल हैं।

'एलफिंस्टन' सिनेमाघर को 'एलफिंस्टन बायोस्कोप कंपनी' अथवा पारसी सिनेमा अग्रदूत जे. एफ. मदन की 'मदान थिएटर्स' संचालित करती थी। इसे करीब एक दशक पहले ध्वस्त कर दिया गया था। उसके स्थान पर नए भवन का निर्माण किया गया है, जो पुराने नाम से ही संचालित होता है।

'एलफिंस्टन' में नाटकों और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन की भी व्यवस्था थी। कई सिनेमा विशेषज्ञों का मानना है कि इसकी शुरुआत एक रंगमंच के रूप में हुई थी और बाद में इसे सिनेमाघर के रूप में भी इस्तेमाल किया जाने लगा।

दस्तावेजों के अनुसार, नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर ने मार्च 1936 में पटना प्रवास के दौरान अपने दल के साथ इसी थिएटर में नृत्य-नाटिका 'चित्रांगदा' का मंचन किया था।

प्रदर्शनी में भरतनाट्यम की विख्यात नृत्यांगना रुक्मिणी देवी अरुण्डले के 12 नवंबर 1941 को एलफिंस्टन में आयोजित कार्यक्रम के दुर्लभ निमंत्रण पत्र की तस्वीर भी प्रदर्शित की गई है।

## 'पर्सनल ट्रेनर 2' में नया अवतार दिखाएंगी टीना दत्ता

**मुंबई/एजेन्सी**

ओटीटी की दुनिया में नई वेब सीरीज 'पर्सनल ट्रेनर 2' को लेकर खूब चर्चा हो रही है। इसमें टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री टीना दत्ता फिटनेस ट्रेनर नेहा मल्होत्रा नाम का किरदार निभा रही हैं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि वह भूमिका से तुरंत जुड़ गईं, क्योंकि असल जिंदगी में फिटनेस उनके जीवन का अहम हिस्सा है। वह योग, जिम और पिलेट्स रोजाना करती हैं, जिससे उन्हें इस किरदार को समझने में आसानी हुई। अभिनेत्री टीना दत्ता ने कहा, ''मेरा किरदार नेहा मल्होत्रा फिटनेस की शौकीन है। उसके कई शेड्स हैं। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, इस किरदार की असली सच्चाई और उसके अलग-अलग पहलू धीरे-धीरे सामने आते जाएंगे। यही इस भूमिका को दिलचस्प बनाता है।'' टीना दत्ता ने कहा, ''इस सीरीज में दर्शक मुझे एक ऐसे अवतार में देखेंगे, जो पहले मैंने कभी नहीं निभाया था। जैसे ही मुझे इस शो के पहले सीजन की कहानी समझ आई थी, तभी मैंने दूसरे सीजन के लिए तुरंत हामी भर दी थी। यह प्रोजेक्ट मेरे करियर में एक नया और अलग अनुभव जोड़ने वाला है।'' इस सीरीज में टीना के साथ आकांक्षा पुरी, पूनम पांडे और राहुल सुधीर जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

टीना दत्ता ने सीरी में काम करने के अनुभव को लेकर कहा, ''शूटिंग के दौरान मेरा अनुभव काफी अच्छा रहा, खासकर आकांक्षा पुरी के साथ काम करना मेरे लिए बेहद सुखद रहा। हम दोनों ही फिटनेस को लेकर काफी गंभीर हैं, इसलिए सेट पर अक्सर हम एक-दूसरे से वर्कआउट और हेल्थ टिप्स शेयर करते रहते थे। इससे शूटिंग का माहौल और भी सकारात्मक और ऊर्जा से भरा रहता था।''इसके अलावा उन्होंने राहुल सुधीर की भी तारीफ की और कहा कि वह बहुत ही प्रतिभाशाली अभिनेता हैं। उनके साथ किए गए सीन्स में गहराई और इमोशन दोनों देखने को मिले, जिससे कहानी और मजबूत बनी। बता दें कि 'पर्सनल ट्रेनर 2' मुंबई के हाई-प्रोफाइल जिम्स की दुनिया पर आधारित है, जहां फिटनेस के अलावा, पावर गेम्स और छुपी हुई राजनीति भी चलती है। यह सीरीज दिखाती है कि कैसे चमकदार लाइफस्टाइल के पीछे कई बार गहरे राज और संघर्ष छिपे होते हैं। यह वेब सीरीज 18 जून को हंगामा ओटीटी पर रिलीज होगी।

## 'करने को है बहुत कुछ', अमिताभ बच्चन ने कहा- काश! दिन 24 नहीं, 36 घंटे का होना चाहिए

**जम्मू/एजेन्सी**

बॉलीवुड के मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने एक बार फिर अपने मजाकिया अंदाज से फैंस को हंसने पर मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि 24 घंटे का दिन काफी नहीं होता और इसे 36 घंटे का होना चाहिए, क्योंकि करने के लिए अभी भी बहुत कुछ बाकी रह जाता है। हालांकि, अपनी बात को हल्के अंदाज में खत्म करते हुए उन्होंने कहा कि अब फुटबॉल मैच देखने का समय हो गया है। 'शहंशाह' के नाम से मशहूर अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग में समय की कमी पर विचार साझा किए।

उन्होंने लिखा, 24 घंटे में करने के लिए बहुत कुछ है, दिन को 36 घंटे का होना चाहिए और फिर जीवन का दर्शन कहता है कि जब ऐसा होगा तो इसे 48 घंटे करने पर बात होगी।उन्होंने आगे अपने अनुभव साझा करते हुए लिखा कि समय लगातार आगे बढ़ता रहता है और सब कुछ उसी के साथ चलता रहता है।बिग बी ने अपने ब्लॉग में फुटबॉल मैच देखने की बात करते हुए आगे कहा, तो चलो भाई, अब वो खेल देखते हैं जो पैरों से खेला जाता है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, जिसमें उन्होंने लिखा टी 5775 - हाहाहाहाहा.. कितना मज़ा आया.. ! यह पोस्ट संभवतः पुर्तगाल और कांगो के बीच खेले गए 1-1 ड्रॉ मैच से जुड़ी थी, जो फीफा विश्व कप 2026 के दौरान खेला गया था। काम के मोर्चे पर, अमिताभ बच्चन फिलहाल अपनी आगामी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल को लेकर व्यस्त हैं। इस फिल्म का निर्देशन नाग अश्विन कर रहे हैं। यह एक फंतासी साइंस-फिक्शन फिल्म है, जिसमें प्रभास, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

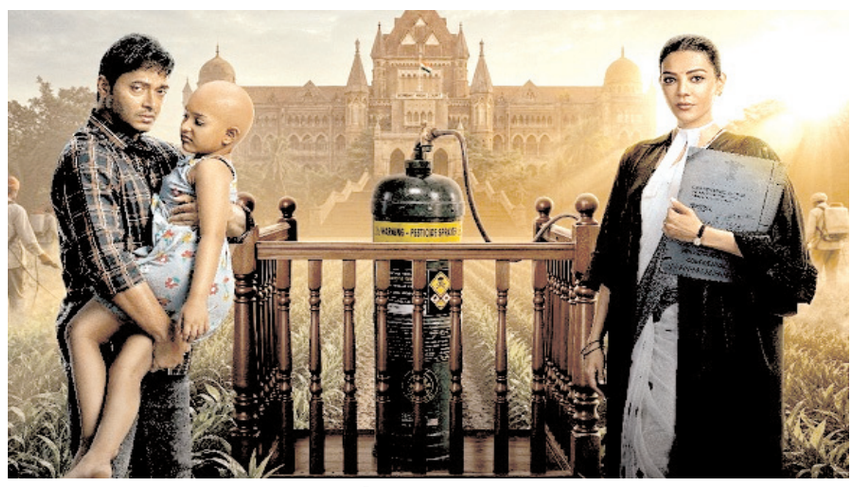

## काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े स्टारर 'द इंडिया स्टोरी' का आधिकारिक पोस्टर हुआ जारी

**मुंबई/एजेन्सी**

मुंबई द इंडिया स्टोरी के निर्माताओं ने आखिरकार फिल्म का पहला आधिकारिक पोस्टर जारी कर दिया है। ज़ी स्टूडियोज़ और एमआईजी प्रोडक्शंस एंड स्टूडियोज़ के सहयोग से प्रस्तुत इस फिल्म ने पहले जारी किए गए पोस्टर्स के जरिए दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा की थी, और अब नए पोस्टर ने फिल्म की कहानी की एक प्रभावशाली झलक सामने रखी है। नए पोस्टर में काजल अग्रवाल एक दृढ़ निश्चयी वकील के किरदार में नजर आ रही हैं, जबकि श्रेयस तलपड़े एक चिंतित पिता की भूमिका में दिखाई दे रहे हैं। पोस्टर में उनकी बेटी का किरदार निभा रही एक छोटी बच्ची भी नजर आती है, जो इस संकट से प्रभावित लाखों परिवारों की मानवीय पीड़ा को दर्शाती है।

मुंबई हाई कोर्ट की पृष्ठभूमि और गवाहों के कटघरे में रखे गए एक कीटनाशक सिलेंडर की प्रतीकात्मक छवि यह संकेत देती है कि फिल्म की कहानी खाद्य मिलावट और उससे जुड़े गंभीर मुद्दों पर आधारित एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा पेश करेगी। फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि इसकी कहानी और निर्माण सागर बी. शिंदे ने किया है। 'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में दुनियाभर में रिलीज की जाएगी, जिसका वितरण ज़ी स्टूडियोज़ द्वारा किया जाएगा।

पोस्टर रिलीज़ होने के बाद फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक चेतन डीके ने कहा, द इंडिया स्टोरी हर उस भारतीय की कहानी है, जिसके परिवार या प्रियजनों पर खाद्य मिलावट का असर पड़ा है। यह हमारे समाज की सबसे उपेक्षित, लेकिन बेहद गंभीर समस्याओं में से एक को उजागर करती है।

साथ ही यह एक ऐसी समस्या है, जो हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी में हम सभी को प्रभावित करती है। इस फिल्म के माध्यम से हम इस छिपी हुई सच्चाई को सामने लाना चाहते थे और इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा शुरू करना चाहते थे।

मुझे पूरा विश्वास है कि फिल्म का सशक्त संदेश लोगों की आंखें खोलने का काम करेगा और उन्हें रोज़ाना उपभोग किए जाने वाले खाद्य पदार्थों के प्रति अधिक जागरूक बनने के लिए प्रेरित करेगा। फिल्म भारत की उन गंभीर लेकिन अक्सर नजरअंदाज कर दी जाने वाली सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्याओं में से एक, खाद्य मिलावट पर प्रकाश डालती है।

एक तीव्र और विचारोत्तेजक कहानी के माध्यम से यह फिल्म रोजमर्रा के खाद्य पदार्थों में छिपे खतरों को उजागर करने और समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास करती है। फिल्म के सह-निर्माताओं में स्वाति विनायक सैदाने, अनिता जाधव, विनायक सैदाने, कल्पेश शाह, देवयानी खोराते और प्रेम जोशी शामिल हैं। वहीं तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर निशांत भागवत, संगीतकार मंगेश धाकड़े, एडिटर आशीष म्हात्रे, गीतकार शकील आज़मी और साउंड डिज़ाइनर अनमोल भावे शामिल हैं।

## अक्षय कुमार ने श्री माता वैष्णो देवी मंदिर में किए दर्शन, कड़ी सुरक्षा के बीच की पूजा पाठ

**जम्मू/एजेन्सी**

भारत में ऐसे कई धार्मिक स्थल हैं, जहां हर साल लाखों लोग मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं। उन्हीं में से एक है जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित प्रसिद्ध श्री माता वैष्णो देवी मंदिर, जहां हाल ही में अभिनेता अक्षय कुमार दर्शन करने पहुंचे। उनकी इस तीर्थ यात्रा को लेकर वहां मौजूद श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। अक्षय कुमार ने गुरुवार को वैष्णो देवी मंदिर पहुंचकर माता रानी के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की। मंदिर बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, अभिनेता ने धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया और पूरी श्रद्धा के साथ पूजा की। इस दौरान उन्होंने कुछ समय मंदिर परिसर में भी बिताया। अक्षय कुमार के माता वैष्णो देवी मंदिर की यात्रा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रशासन ने सुनिश्चित किया कि उनकी मौजूदगी से आम श्रद्धालुओं की दर्शन प्रक्रिया में किसी तरह की बाधा न आए। पूजा-अर्चना करने के बाद अक्षय कुमार शांतिपूर्वक वहां से रवाना हो गए। जैसे ही अक्षय कुमार के मंदिर पहुंचने की खबर फैली, वहां मौजूद श्रद्धालुओं में उत्साह बढ़ गया। कई लोग उन्हें देखने के लिए इकट्ठा हो गए और उनकी एक झलक पाने की कोशिश करने लगे। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था के कारण भीड़ को नियंत्रित कर लिया गया।

बता दें कि श्री माता वैष्णो देवी मंदिर भारत के सबसे पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक माना जाता है। यह मंदिर त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित है, और यहां हर साल देश के अलग-अलग हिस्सों से करोड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए भक्तों को पैदल यात्रा भी करनी पड़ती है। आंकड़ों के अनुसार, वैष्णो देवी मंदिर में प्रतिदिन लगभग 20 हजार से 40 हजार श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं, जबकि छुट्टियों के दौरान यह संख्या एक सप्ताह में तीन लाख से भी ज्यादा पहुंच जाती है। इतनी बड़ी भीड़ के कारण कई बार भक्तों को दर्शन के लिए 12 से 20 घंटे तक इंतजार करना पड़ता है। इस दौरान होटल और यात्रा से जुड़े खर्च भी बढ़ जाते हैं, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

## एआई से बनी फर्जी तस्वीरों पर भड़कीं प्रीति जिंटा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ पहुंचीं बॉम्बे हाई कोर्ट

**मुंबई/एजेन्सी**

डिजिटल दुनिया के बढ़ते दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के गलत इस्तेमाल के मुद्दे को लेकर अब अभिनेत्री प्रीति जिंटा बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंची हैं। उन्होंने मेटा और गूगल जैसी बड़ी ऑनलाइन कंपनियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं कि उनकी अनुमति के बिना एआई की मदद से उनकी नकली तस्वीरें और कंटेंट बनाए गए और उन्हें इंटरनेट पर फैलाया गया, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचा है। प्रीति जिंटा ने अपनी याचिका में कहा है कि उनके नाम और पहचान का गलत इस्तेमाल किया गया है, जिससे उनकी पर्सनैलिटी राइट्स के अधिकारों का उल्लंघन हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर एआई से बना कंटेंट बड़े स्तर पर फैलाया गया, जिसे लोग असली मान सकते हैं और इससे गलतफहमी पैदा होती है। अभिनेत्री ने कहा कि कॉपीराइट कानून 1957 के तहत उनके नैतिक अधिकारों का भी उल्लंघन हुआ है। उनकी छवि और पहचान का उपयोग बिना अनुमति के किया गया, जो कानूनन गलत है। इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस अभय आहूजा की बेंच ने उनकी याचिका पर विचार करते हुए उन्हें आगे मुकदमा दायर करने की अनुमति दे दी है।

अदालत ने कहा की कि इस मामले में शामिल ऑनलाइन कंपनियों के ऑफिस कई अलग-अलग शहरों और देशों में मौजूद हैं। इसलिए मामले का कुछ हिस्सा अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर भी जा सकता है। लेकिन फिर भी कोर्ट इसे सुनकर पूरा फैसला करेगा।पिछले कुछ सालों में एआई तकनीक के बढ़ने के साथ ही ऐसे मामलों में काफी तेजी आई है, जहां सेलेब्रिटीज की फर्जी तस्वीरें, वीडियो और आवाजों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। इस तरह के मामलों में कई बड़े बॉलीवुड सितारे पहले भी अदालत का रुख कर चुके हैं। इनमें अमिताभ बच्चन, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, अर्जुन कपूर, वरुण धवन, ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन, सलमान खान, आर. माधवन, ऋतिक रोशन और विवेक ओबेरॉय शामिल हैं। इन सभी मामलों में अदालतों ने उनकी पहचान और छवि की सुरक्षा को मान्यता दी और उन्हें कानूनी संरक्षण दिया।

## जैकलीन फर्नांडीज अपनी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म में आएंगी नजर

**मुंबई/एजेन्सी**

जैकलीन फर्नांडीज जल्द ही अपनी पहली पूर्ण हॉरर फिल्म के साथ इस शैली में कदम रखने जा रही हैं। अभिनेत्री काफी समय से इस जॉनर में एक मजबूत और अलग कहानी की तलाश में थीं और अब उन्हें ऐसा प्रोजेक्ट मिल गया है जिसने उन्हें बेहद उत्साहित कर दिया है।सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म हॉरर, इमोशन और म्यूजिक का बेहतरीन मिश्रण होगी, जो दर्शकों को एक संपूर्ण सिनेमाई अनुभव देगी। फिल्म में जैकलीन मुख्य भूमिका निभाएंगी, जबकि दो मेल एक्टर्स को पहले ही फाइनल किया जा चुका है। फिलहाल फिल्म का टाइटल, अन्य कलाकारों के नाम और निर्देशक की जानकारी गुप्त रखी गई है।इस फिल्म का निर्माण ख्याति मदान के बैनर नॉट आउट एंटरटेनमेंट के तहत बड़े स्तर पर किया जाएगा। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द ही होने की उम्मीद है।सूत्रों का यह भी कहना है कि फिल्म का एक टीज़र और एक गाना पहले ही शूट किया जा चुका है, जबकि कलाकार इन दिनों वर्कशॉप्स में हिस्सा ले रहे हैं। फिल्म की शूटिंग इस महीने के अंत तक शुरू होने की संभावना है।दिलचस्प बात यह है कि जैकलीन इससे पहले भूत पुलिस में नजर आ चुकी हैं, लेकिन वह एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म थी। यह नई फिल्म उनके करियर की पहली पूरी तरह हॉरर फिल्म होगी।वर्क फ्रंट की बात करें तो जैकलीन हाल ही में हाउसफुल 5 में नजर आई थीं और अब वह वेलकम टू द जंगल में दिखाई देंगी, जो 26 जून 2026 को रिलीज होने वाली है।फिल्म से जुड़ी और अपडेट्स के लिए बने रहिए।

## विरोध

नीट और सीबीएसई परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और कुप्रबंधन को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए शुक्रवार को नई दिल्ली में विरोध रैली निकालते स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सदस्य।

# बीजिंग में आयोजित योग कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चीनी नागरिक शामिल हुए

बीजिंग/भाषा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले, शुक्रवार को यहां भारतीय दूतावास परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में चीनी नागरिकों ने हिस्सा लिया।

भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने बताया कि इस कार्यक्रम में एक हजार से ज़्यादा लोगों ने हिस्सा लिया, जिनमें ज़्यादातर चीनी नागरिक थे।

पिछले कुछ दशकों में चीन में योग बहुत लोकप्रिय हो गया है और ज़्यादातर चीनी शहरों में भारतीय प्रशिक्षक वाले योग प्रशिक्षण संस्थान तेज़ी से फल-फूल रहे हैं।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने कहा कि लोगों की बड़ी संख्या में मौजूदगी योग की बढ़ती लोकप्रियता और इसकी सार्वभौमिक अपील को दर्शाती है।

उन्होंने कहा, ''मुझे इस बात की विशेष खुशी है कि चीन में योग के चाहने वालों और इसे करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रशिक्षकों, संस्थानों और उत्साही लोगों के प्रयासों से, यह हमारे लोगों और संस्कृतियों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु बन गया है।''

इस वर्ष की थीम 'बढ़ती उम्र में योग से रहें निरोग' आज के समय में विशेष रूप से प्रासंगिक है। उन्होंने कहा, ''भारत और चीन समेत दुनिया भर के समाज जब बदलती आबादी की संरचना के हिसाब से खुद को ढाल रहे हैं, तो योग निरोग रहने में अहम भूमिका निभा सकता है।

यह जीवन के हर पड़ाव पर शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक सेहत और जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने का एक आसान और सुलभ तरीका है।'' उन्होंने कहा, ''यह हमें इस बात की समझ देता है कि हम कैसे जीवन जीते हैं, खुद से किस तरह जुड़ते हैं और अपने दैनिक जीवन में संतुलन कैसे विकसित करते हैं।''

संयुक्त राष्ट्र ने 2014 में योग की वैश्विक लोकप्रियता को मान्यता देते हुए 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था।

## रेल सेवा



केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शुक्रवार को बिहार के सारण जिले में छपरा-दिल्ली एक्सप्रेस और मऊ-दिल्ली एक्सप्रेस के उद्घाटन तथा दोहरीघाट-औरिहार रेल सेवा के वाराणसी तक विस्तार के कार्यक्रम के दौरान।

# अमेरिका के सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने भारत के प्रति घृणा की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने अमेरिका में भारत के प्रति घृणा की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की है और लोगों से कट्टरता, पूर्वाग्रह तथा भेदभाव के खिलाफ एकजुट होकर खड़े होने का आह्वान किया है।

डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद कृष्णमूर्ति ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में टेक्सास के फ्रिस्को शहर की एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें कथित तौर पर श्वेत वर्चस्ववादियों के एक समूह ने सिटी हॉल के बाहर भारत विरोधी नारे लगाए और भारतीय ध्वज फाड़ दिया।

इलिनॉयस से सांसद कृष्णमूर्ति ने कहा, ''मैं अमेरिका में बढ़ती भारत विरोधी घटनाओं की ओर सभी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। कुछ सप्ताह पहले टेक्सास के फ्रिस्को में श्वेत वर्चस्ववादियों का एक समूह सिटी हॉल के सामने एकत्र हुआ और 'भारत वापस जाओ', 'टेक्सास में हिंदुओं का कब्जा बंद करो' तथा 'तुम हमारी जगह नहीं ले पाओगे' जैसे नारे लगाए।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका में घृणा का कोई स्थान नहीं है।

कृष्णमूर्ति ने कहा, '' मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह हिंदुओं, मुसलमानों, यहूदियों या किसी भी धर्म अथवा राष्ट्रीयता के लोगों के खिलाफ है। हमें किसी भी व्यक्ति के प्रति होने वाली कट्टरता, पूर्वाग्रह और भेदभाव के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। मुझे आशा है कि आप इस मुद्दे पर ध्यान देंगे।

मई में कृष्णमूर्ति और अन्य डेमोक्रेटिक सांसदों ने अमेरिकी कांग्रेस में एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय और चीनी मूल के अमेरिकियों को निशाना बनाकर की गई कथित ''नस्लवादी टिप्पणियों'' को बढ़ावा देने की निंदा की गई थी।

कृष्णमूर्ति, टेड लियू और प्रमिला जयपाल द्वारा पेश किए गए इस प्रस्ताव में ट्रंप द्वारा अपने सोशल मीडिया मंच ट्रूथ पर रेडियो प्रस्तोता माइकल सैवेज के एक पोस्ट को साझा किए जाने की आलोचना की गई थी। पोस्ट में जन्मजात नागरिकता पर सवाल उठाए गए थे।

# भारत व जर्मनी ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ाने की समान चुनौती का सामना कर रहे हैं : राजदूत फिलिप एकरमैन

नई दिल्ली/भाषा। भारत में जर्मनी के राजदूत फिलिप एकरमैन ने कहा कि दोनों देश जीवाश्म ईंधन के आयात पर निर्भरता कम करने और ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने की समान चुनौती का सामना कर रहे हैं।

एकरमैन ने 'ऊर्जा सुरक्षा के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा' विषय पर बृहस्पतिवार को आयोजित जीएसडीपी वार्तालाप श्रृंखला के 10वें संस्करण में कहा, '' भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है और अब कुल बिजली उत्पादन में नवीकरणीय स्रोतों की हिस्सेदारी लगभग 26 प्रतिशत हो गई है।''

हरित एवं टिकाऊ विकास के लिए भारत-जर्मनी साझेदारी (जीएसडीपी) का यह कार्यक्रम नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के सहयोग से आयोजित किया गया।

फिलिप एकरमैन ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा अब केवल जलवायु आवश्यकता नहीं, बल्कि आर्थिक और रणनीतिक आवश्यकता भी है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा जलवायु कार्रवाई, आर्थिक अवसर और ऊर्जा सुरक्षा का मजबूत संयोजन प्रस्तुत करती है।

जर्मनी के राजदूत ने कहा कि भारत और जर्मनी के अपने कूटनीतिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे करने के अवसर पर इस साझेदारी के विशेष मायने हैं। दोनों देश नवीकरणीय ऊर्जा, बैटरी भंडारण, ग्रिड एकीकरण, ऊर्जा दक्षता, हरित शहरी परिवहन, जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन शमन व अनुकूलन, सतत शहरी विकास और व्यावसायिक शिक्षा जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा सचिव संतोष कुमार सारंगी ने ऊर्जा सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, '' पश्चिम एशिया में हालिया संकट ने एक बार फिर ऊर्जा सुरक्षा के महत्व को उजागर किया है। ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में सौर, पवन, बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली और हरित हाइड्रोजन जैसी नवीकरणीय ऊर्जा अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।''

भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता और 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। जीएसडीपी साझेदारी को 2022 में शुरू किया गया था।

# मोकलसर प्रवासी जैन संघ का प्रथम स्नेह मिलन कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मोकलसर प्रवासी जैन संघ का प्रथम स्नेह मिलन आयोजन रविवार को तुमकुर रोड पर स्थित पार्श्व-लब्धि धाम तीर्थ में रखा गया है। इस आयोजन में बेंगलूरु में प्रवासित समस्त मोकलसर निवासी परिवारों के अलावा कर्नाटक के भी विभिन्न क्षेत्रों में रहने वाले मोकलसर के प्रतिनिधि उपस्थिति दर्ज कराएँगे। कार्यक्रम स्थल पर बच्चों के मनोरंजक गेम्स, युवक युवतियों के लिए प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम, जैन म्यूजिकल हौजी एवं अनेक मंचीय कार्यक्रम रखे गए है। कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बसों की व्यवस्था की गई है। इस स्नेह मिलन का सम्पूर्ण लाभार्थी कपूरचंद निर्भयलाल बाबूलाल मोहनलाल दांतेवाड़िया परिवार है।

# मारुति मेडिकल्स 22 को आयोजित कर रहा है रक्तदान शिविर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने प्रत्येक भारतीय को गौरवान्वित किया, ऑपरेशन सिंदूर ने पूरी दुनिया को यह दिखा दिया कि भारत अपने स्वाभिमान की रक्षा करना जानता है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के प्रथम वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में सैनिकों के सम्मान में विजयनगर मारुति मेडिकल्स द्वारा सोमवार 22 जून को विजयनगर स्टोर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। महेन्द्र मुणोत रक्तदान के इच्छुक सभी लोगों से सोमवार को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित शिविर में रक्तदान करने का आहवान किया है।

# आदिनाथ चैम्बर में 'अहिंसा' विषय पर कल होगी परिचर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय महावीर दर्शन मंच की बेंगलूरु ईकाई द्वारा रविवार को दोपहर में जेपीनगर स्थित आदिनाथ चैम्बर में 'अहिंसा के बिना विश्व शांति असंभव और अहिंसा कभी हार नहीं सकती' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में अहिंसा प्रेमी सोहन मेहता एवं वीगन मूवमेंट यानी महाशाकाहार की विचारक्रान्ति के दिग्गज दिनेश जैन सम्बोधित करते हुए अहिंसा क्रान्ति के जागरण व युद्धों की विभीषिका के समापन में अहिंसा की महती भूमिका पर अपने विचार रखेंगे। मंच के प्रचार प्रभारी महावीरचंद कोठारी ने बताया कि समागम की अध्यक्षता मंच की बेंगलूरु इकाई के संयोजक बाबू लाल भंडारी करेंगे।

# न्यायालय ने तमिलनाडु विधानसभा में विश्वास मत में अनियमितताओं की जांच संबंधी याचिका खारिज की

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु विधानसभा में 13 मई के विश्वास मत में कथित अनियमितताओं और विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोपों की जांच करने का अनुरोध करने वाली याचिका शुक्रवार को यह कहते हुए खारिज कर दी कि यह अस्पष्ट और अनर्गल आरोपों पर आधारित है। तमिलनाडु में 13 मई को, सी जोसफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के बहिर्गमन के बीच ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के 25 बागी विधायकों के समर्थन से विश्वास मत हासिल कर एक बड़ी बाधा को पार कर लिया था।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी मोहना की पीठ उस याचिक पर सुनवाई कर रही थी जिसमें दावा किया गया कि तमिलनाडु में अन्य दलों के कुछ विधायक कथित तौर पर खरीद-फरोख्त में शामिल थे और टीवीके द्वारा कथित रूप से कुछ विधायकों को मोटी रकम दी गई थी। याचिका में कहा गया कि इस मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपी जानी चाहिए और जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया जाए।




# स्वयं-वी कनेक्ट की बैठक में महिला उद्यमिता एवं बिजनेस नेटवर्किंग को मिला नया आयाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन नार्थ के बिजनेस रेफरल ग्रुप स्वयं-वी कनेक्ट की पांचवीं बैठक बुधवार को जीतो कार्यालय में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का संयोजन रेफरल हेड सीए सुखदेवी सी. जैन, रेफरल लीड प्रज्ञा सेठी एवं रेफरल सचिव मोक्षा सोलंकी के नेतृत्व में हुआ। इस मौके पर नार्थ की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना की विशेष उपस्थिति थी।

बैठक के मुख्य सत्र में सीए सुखदेवी सी. जैन ने स्टार्ट, ग्रो, फंड एवं व्यापार विकास पर अपनी ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी। उन्होंने कॉर्पोरेट संरचनाओं, फंडिंग, जीएसटी तथा कर प्रणाली जैसे जटिल विषयों को सरल एवं व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया।

उनके सहज, संवादात्मक एवं रोचक प्रस्तुतीकरण ने प्रतिभागियों को व्यवसाय संचालन से जुड़े महत्वपूर्ण अनुपालन पहलुओं की स्पष्ट जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अंतर्गत 8 मिनट के विशेष बिजनेस प्रेजेंटेशन में डेंटावर्स डेंटल क्लिनिक की संस्थापक एवं एमडीएस ऑर्थोडॉन्टिक्स विशेषज्ञ डॉ. प्रियल जैन ने अपने व्यवसाय एवं विशेषज्ञता का परिचय दिया। बैठक के दौरान विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सदस्यों को सम्मानित भी किया गया।



# तेयुप विजयनगर की नवमनोनीत टीम का दायित्व ग्रहण संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप) विजयनगर का शपथ ग्रहण समारोह शुक्रवार को विजयनगर स्थित अर्हम भवन में मुनि श्री विनीत कुमार जी व आकाश कुमार जी के सान्निध्य में अभातेयुप के अध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता मे जैन संस्कार विधि से सम्पन्न हुआ। निवर्तमान अध्यक्ष विकास बाँठिया ने नवनियुक्त अध्यक्ष पवन बैद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई, तत्पश्चात पवन बैद ने अपनी कार्यकारिणी समिति में उपाध्यक्ष के रूप में अमित नाहटा व विनित गाँधी, मंत्री कमलेश दक, सहमंत्री पीयूष ललवानी व राकेश मारु, कोषाध्यक्ष मोहित गाँधी, संगठन मंत्री हेमंत पटावरी को पद की शपथ दिलवाई। कार्यक्रम में अनेक पदाधिकारियों ने नए पदाधिकारियों व कार्यकारिणी को शुभकामनाएँ दी।ङ्गङ्गमुनिश्री आकाश कुमार जी ने कहा कि वर्तमान मे रहते हुए वर्तमान की परिस्थिति अनुसार कार्य करना चाहिए, मुनि श्री विनीत कुमार जी ने सामाजिक कार्य के साथ युवकों आध्यात्मिकता से जोड़ते हुए 25 बोल सीखने की प्रेरणा देते हुए नई टीम के प्रति मंगलकामना दी। इस अवसर पर संबंधित संस्थाओं के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक कावड़िया एवं कमलेश दक ने किया। अंत मे सभी का आभार विनीत गाँधी ने दिया।

# आध्यात्मिक चेतना जागृत करने में योग ऑक्सीजन से भी अधिक महत्वपूर्ण : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



बेंगलूरु। शहर के विजयनगर जैन स्थानक में आयोजित प्रवचनसभा को संबोधित करते हुए जैन दिवाकरीय राष्ट्रसंतश्री कमलमुनि कमलेश ने कहा कि आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने के लिए योग साधना ऑक्सीजन से भी अधिक महत्वपूर्ण है। योग धर्म का अभिन्न अंग है तथा सभी धर्मों ने योग को महत्वपूर्ण स्थान देते हुए उसे जीवन से जोड़ने का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा कि योग अपने आप में एक रामबाण औषधि है, जिसके माध्यम से अनेक असाध्य बीमारियों से मुक्ति प्राप्त की जा सकती है। आज का विज्ञान और चिकित्सा जगत भी योग की शक्ति को स्वीकार कर रहा है तथा स्वयं उसे अपना रहा है।ङ्गउन्होंने कहा कि सूर्य प्रणाम हो अथवा नमाज़, सभी धार्मिक क्रियाओं के मूल में योग की भावना विद्यमान है। योग आध्यात्मिकता का प्रवेश द्वार है और इसके बिना आत्मिक उन्नति संभव नहीं है। योग को सांप्रदायिक दृष्टि से देखना अज्ञानता एवं संकीर्ण मानसिकता का परिचायक है। उन्होंने बताया कि योग के माध्यम से भारत पुनः विश्वगुरु के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है, जो प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है। अखिल भारतीय ज्ञान दिवाकर विचार मंच, नई दिल्ली द्वारा देश के 18 राज्यों में योग के माध्यम से आध्यात्मिक जागरण का अभियान चलाया जाएगा। इसी क्रम में 21 जून को प्रातः 8 बजे केंगेरी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का विशेष आयोजन किया जाएगा। राजाजीनगर में संतश्री के सान्निध्य में वीरांगनाओं का सम्मान किया गया।

# हैदराबाद के चिकित्सक ने डेनाली पर्वत पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की, 'सेवन समिट्स' चुनौती पूरी की

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद के पर्वतारोही और अस्थि रोग विशेषज्ञ राजशेखर ने उत्तर अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी डेनाली पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। इसके साथ ही उन्होंने प्रतिष्ठित 'सेवन समिट्स' चुनौती पूरी कर ली है।

सेवन समिट्स' चुनौती एक प्रसिद्ध पर्वतारोहण उपलब्धि है, जिसमें किसी पर्वतारोही को दुनिया के सातों महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों पर चढ़ाई करनी होती है।

इस उपलब्धि के साथ ही राजशेखर दक्षिण भारत के राज्यों से इस चुनौती को पूरा करने वाले पहले चिकित्सक बन गए हैं। राजशेखर ने 18 जून को भारतीय समयानुसार सुबह करीब साढ़े आठ बजे डेनाली पर्वत शिखर पर सफलतापूर्वक कदम रखा। उन्होंने परिवार और दोस्तों के साथ साझा किए गए संदेश में कहा, शिखर पर सफलतापूर्वक पहुंचने का अभियान बिना किसी परेशानी के पूरा हुआ। हवाएं हल्की थीं और तापमान काफी कम था, लेकिन इसके अलावा सब कुछ ठीक रहा। किसी को कोई चोट नहीं आई है और पूरी टीम स्वस्थ एवं सुरक्षित है।

राजशेखर को इस अभियान के दौरान भरत थाम्मिनैनी का मार्गदर्शन और सहयोग मिला। थम्मिनेनी बूट्स एंड क्रैम्पॉन के संस्थापक हैं, जो दुनिया भर में पर्वतारोहण अभियानों और ट्रेकिंग का आयोजन करती है। राजशेखर के लिए ''सेवन समिट्स'' तक की यह यात्रा व्यक्तिगत प्रतिकूलताओं के बीच साहस, दृढ़ता और संघर्ष से भरी रही है। कूल्हे एवं घुटने की सर्जरी के विशेषज्ञ और रोबोटिक सर्जन राजशेखर की जिंदगी में कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान बड़ा बदलाव आया। वह कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए थे और उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। बीमारी से उबरना आसान नहीं था। लगातार बनी रही थकावट और उत्साह में कमी के चलते उन्हें करीब एक साल तक अपने पेशेवर कार्यों से विराम लेना पड़ा। बूट्स एंड क्रेम्पोन ने शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा, अपने स्वास्थ्य को फिर से बेहतर बनाने के दृढ़ संकल्प के साथ उन्होंने अपने लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया। इसके लिए उन्होंने पर्वतारोहण को चुना, जो सहनशक्ति, शारीरिक फिटनेस और मानसिक दृढ़ता की मांग करने वाला खेल है।'' राजशेखर की 'सेवन समिट्स' यात्रा की शुरुआत 26 जनवरी 2022 को तंजानिया की किलिमंजारो चोटी पर सफल चढ़ाई के साथ हुई। इसके बाद अगस्त 2022 में उन्होंने यूरोप की सबसे ऊंची पर्वत चोटी एल्ब्रुस पर भी सफलता हासिल की। कई चोटों से जूझने के बाद राजशेखर एक साल पर्वतारोहण से दूर रहे। उन्होंने अगस्त 2023 में ऑस्ट्रेलिया की कोसियुज्को चोटी पर चढ़ाई की और चार फरवरी 2024 को दक्षिण अमेरिका की सबसे ऊंची चोटी एकॉनकागुआ के शिखर तक पहुंचे। इसके कुछ ही महीनों बाद उन्होंने अपने पर्वतारोहण करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की और 23 मई 2024 को एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई पूरी की। उन्होंने अलास्का की डेनाली पर चढ़ाई का पहला प्रयास जून 2025 में किया था लेकिन खराब मौसम के कारण वह उस समय शिखर तक नहीं पहुंच सके और नीचे उतरते समय उन्हें ''फ्रॉस्टबाइट'' का सामना करना पड़ा। डेनाली की चोटी पर सफलतापूर्वक पहुंचने के साथ ही राजशेखर का 'सेवन समिट्स' अभियान पूरा हो गया। राजशेखर ने कहा, मैंने जिस तरह की परिस्थितियों का सामना किया है, उसके बाद डेनाली की चोटी पर खड़ा होना मेरे लिए बेहद भावुक पल है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**